राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 27अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक –271 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## दिल्ली-NCR को मिल सकती है प्रदूषण से निजात, CSIR ने विकसित की पराली से प्लाई तैयार करने की तकनीक

नई दिल्ली। पराली जलाने से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। वैज्ञानिक पराली के प्रबंधन को लेकर कई उपाय कर रहे हैं। इसी सिलसिले में सीएसआईआर की भोपाल स्थित प्रयोगशाला ने पराली से प्लाई और लकड़ी तैयार करने की तकनीक विकसित की है। उसने इसे उद्योग जगत को हस्तांतरित कर दिया है। एडवांस्ड मैटिरयल्स एंड प्रोसेसेज रिसर्च इंस्टीट्यूट (एएमपीआरआई) के वैज्ञानिकों ने पराली, औद्योगिक अपशिष्ट जैसे फ्लाई ऐश और मार्बल के कचरे तथा फाइबर का प्रयोग करते हुए हाईब्रिड प्लाई और कंपोजिट वुड विकसित की है। यह लकड़ी बेहद मजबूत है तथा आम लकड़ी की तुलना में ज्यादा प्रभावी होती है। इसमें आग लगने का खतरा भी न के बराबर होता है। वैज्ञानिकों का यह शोध दो कारणों से बेहद अहम है। एक यह पराली, फ्लाई ऐश तथा मार्बल के कचरे का समाधान करता है। दूसरे, लकड़ी के विकल्प के रूप में पेड़ों को काटने से भी रोकता है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय वन नीति में स्पष्ट कहा गया है कि वैज्ञानिक भवन निर्माण के लिए लकड़ी का विकल्प खोजेंगे, जिससे वनों का कटान कम हो। इस प्रक्रिया से लकड़ी के निर्माण में 60 फीसदी तक कृषि एवं औद्योगिक कचरा मिलाया जाता है, जबकि बाकी 40 फीसदी फाइबर मिलाया जाता है। एएमपीआरआई ने इस तकनीक को बाजार में उतारने के लिए भिलाई की कंपनी शुभ ग्रीन शीट प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित किया है। कंपनी जल्द ही भिलाई में इसका उद्योग स्थापित करने जा रही है।

**पराली जलाने पर रोक लग सकेगी**

एएमपीआरआई के निदेशक अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह प्लाई एवं लकड़ी मौजूदा उत्पादों का बेहतर विकल्प साबित होगी।

## कोरोना से रिकवर हो चुके लोगों के लिए खतरा बरकरार, अधिक जानलेवा हो सकता है प्रदूषण

**नई दिल्ली।** कोरोना के चलते विश्व अब तक लाखों मौतें देख चुका है और कई देशों का हाल बदतर है। ऐसे में भारत में कम होते दैनिक आंकड़े और बढ़ता रिकवरी रेट राहत की सांस दे रहा है। लेकिन इसके बावजूद रिकवर हो चुके लोगों के लिए रिस्क बरकरार है। डॉक्टरों की राय है कि जो लोग कोरोना वायरस बीमारी (कोविड -19) से रिकवर चुके हैं और उच्च वायु प्रदूषण वाले शहर या क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें फ्लू की वैक्सीन ले लेनी चाहिए। वायु प्रदूषण कोविड -19 रोगियों की संवेदनशीलता, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम को बढ़ा सकता है, और चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यह

'लॉन्ग कोविड' के लक्षणों को भी बढ़ा सकता है। ये शब्द कोविड -19 से ठीक होने के बाद भी लगातार हफ्तों और महीनों तक दिखने वाले लक्षणों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। रोम के एक अस्पताल में 143 रोगियों में से 87त्न रोगियों में रिकवरी के लगभग दो महीने बाद भी कम से कम एक लक्षण पाया गया था। क्लीनिक को खांसी, थकान, दस्त, जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों में दर्द और फेफड़ों, दिल के लक्षणों को लेकर रोगियों से शिकायत मिली थी। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल JAMA के अनुसार, रोम के अध्ययन में क्रॉनिक 'लॉन्ग कोविद' के आधे से अधिक पेटेंट के साथ थकान सबसे आम लक्षण है। बीबीसी समाचार की रिपोर्ट के अनुसार, वृद्ध लोगों, महिलाओं, अधिक वजन वाले और मोटे लोगों, अस्थमा के रोगियों और पहले सप्ताह में पांच से अधिक कोविड -19 लक्षण पाए जाने वाले लोगों को ÷लॉन्ग कोविद÷ का अधिक खतरा होता है। इस बात के भी नए प्रमाण हैं कि बहुत हल्के या बिना लक्षणों वाले लोग भी ठीक होने के बाद के लक्षणों को विकसित कर सकते हैं, जो कई महीनों तक रह सकते हैं। सर्दी जुकाम और बढ़ता प्रदूषण ठीक हो चुके लोगों की स्थिति बिगाड़ सकता है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा, ÷त्यौहार के मौसम में बढ़ते प्रदूषण, गिरते तापमान और बढ़ती भीड़ के कारण, हर कोई जोखिम में है और 'लॉन्ग कोविड' का सामना कर चुके लोगों को फ्लू की वैक्सीन ले लेनी चाहिए।

## अमेरिका ने भी माना- ताकतवर हो रहा है भारत, कहा- साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक

**नई दिल्ली।** अमेरिका क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति के रूप में उभरते भारत का स्वागत करता है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने नयी दिल्ली में 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले यह कहा। उसने यह भी कहा कि भारत के एक जनवरी 2021 से शुरू हो रहे यूएनएससी के कार्यकाल के दौरान अमेरिका उसके साथ काम करने को लेकर भी उत्सुक है।

भारत और अमेरिका के बीच नयी दिल्ली में होने जा रही तीसरी 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले विदेश मंत्रालय ने एक फैक्ट शीट में कहा, भारत के एक क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति बनकर उभरने का अमेरिका स्वागत करता है। अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के आगामी कार्यकाल के दौरान उसके साथ निकटता से काम करने को भी उत्सुक है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ अपने भारतीय समकक्षों क्रमशः राजनाथ सिंह तथा एस. जयशंकर के साथ 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक करेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग

ने बताया कि एस्पर और पोम्पिओ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे और अमेरिका-भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के बारे में सरकारी और कारोबारी जगत के अगुआओं से भी बात करेंगे।

फैक्ट शीट में विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों और स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत के लिए प्रतिबद्धता पर निर्मित मजबूत तथा बढ़ते द्विपक्षीय संबंध हैं।

आज भारत पहुंचेंगे अमेरिकी विदेश मंत्री

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ 2 + 2 की बैठक का हिस्सा लेने के लिए भारत के लिए रवाना हुए हैं। ये बैठक चीन के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का मुकाबला करने पर काफी हद तक ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पोम्पियो ने ट्विटर पर कहा, भारत, श्रीलंका, मालदीव और इंडोनेशिया की मेरी यात्रा के लिए तैयार। स्वतंत्र और मजबूत, और समृद्ध राष्ट्रों से बने स्वतंत्र और खुले Indo Pacific के लिए एक साझा दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए हमारे भागीदारों के साथ जुड़ने के अवसर के लिए आभारी।

बातचीत के लिए अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क टी ओशन भी पोम्पिओ के साथ हैं। पोम्पेओ की यात्रा से पहले विदेश विभाग ने कहा कि केवल दो वर्षों में तीसरी यूएस-भारत 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन दोनों देशों द्वारा साझा राजनयिक और सुरक्षा उद्देश्यों के लिए दी गई उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई जोरदार झड़प, मामला हुआ दर्ज

**मध्यप्रदेश।** पुलिस ने कहा कि रविवार को ग्वालियर के डबरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार झड़प हुई जिसके बाद मामला दर्ज किया गया है।यह घटना सुबह करीब 11.30 बजे हुई जब दोनों दलों के कार्यकर्ता उपचुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। सब डिवीजनल पुलिस अधिकारी उमेश तोमर ने कहा, ÷दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से बहस की। जिससे लड़ाई हुई। बाद में दोनों समूह पुलिस स्टेशन आ गए। घटना के संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस नेता सुरेश राजे और भाजपा कार्यकर्ता मोहन सिंह परिहार मामले के संबंध में मामला दर्ज करने के लिए पुलिस स्टेशन गए। एएनआई से बात करते हुए, एक कांग्रेस समर्थक ने कहा, ÷डबरा के कांग्रेस उम्मीदवार सुरेश राजे एक सार्वजनिक बैठक के लिए आने वाले थे, इसलिए हमने सोचा कि हम उनका स्वागत करेंगे लेकिन कुछ लोगों ने आपत्ति की और हमारे साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। हालांकि, भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस नेताओं ने उन पर हमला किया और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं की पिटाई की। मध्य प्रदेश में 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 3 नवंबर को होंगे और नतीजे 10 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

## अपनी सीमा में ही नहीं

## खतरा पैदा करने वाली विदेशी धरती पर जाकर भी लड़ेंगे-अजीत डोभाल

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा है कि भारत ना केवल अपनी सीमा में लड़ेगा बल्कि विदेशी जमीन पर भी जाकर लड़ेगा, जहां से देश के लिए खतरा पैदा होता हो। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत का चीन के साथ सीमा पर तनाव चरम पर है। यह भी माना जा रहा है कि डोभाल का यह बयान पाकिस्तान के संदर्भ में हो सकता है, जो अपनी जमीन पर आतंकवादियों ट्रेनिंग देकर भारत भेजता है। भारतीय सैनिक दो बार पीओके और बालाकोट में जाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर चुके हैं।

ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन में डोभाल ने कहा कि भारत किसी पर पहला वार नहीं किया है, नई रणनीतिक सोच में यह शामिल है कि हम सुरक्षा खतरों को कम करने के लिए हम सक्रियता से कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा, यह जरूरी नहीं है कि हम वहीं लड़ें जहां तुम चाहो, भारत लड़ाई को वहां ले जाएगा जहां से खतरा पैदा होता है।

आधिकारिक सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया कि डोभाल का संदर्भ सभ्यतागत नीति पर अधिक था। डोभाल ने कहा, हम कभी भी अपने व्यक्तिगत हितों के लिए कभी आक्रामक नहीं होते हैं। हम निश्चित तौर पर

> राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत का चीन के साथ सीमा पर तनाव चरम पर है। यह भी माना जा रहा है कि डोभाल का यह बयान पाकिस्तान के संदर्भ में हो सकता है, जो अपनी जमीन पर आतंकवादियों ट्रेनिंग देकर भारत भेजता है। भारतीय सैनिक दो बार पीओके और बालाकोट में जाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर चुके हैं।

अपनी जमीन के साथ विदेशी जमीन पर भी लड़ेंगे, लेकिन व्यक्तिगत हितों के लिए नहीं, परमार्थ आध्यात्मिकता के हित में। हमारा सभ्य राज्य किसी भी धर्म भाषा या संप्रदाय पर आधारित नहीं है, बल्कि इस राष्ट्र का आधार इसकी संस्कृति है।

डोभाल का यह बयान उसी दिन आया है जब एक तरफ आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने चीनी अतिक्रमण को लेकर बात की तो रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी सख्त संदेश दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर तनाव को खत्म कर शांति बहाल करना चाहता है लेकिन भारतीय सैनिक देश की भूमि का एक इंच भी किसी को लेने नहीं देंगे। रक्षा मंत्री ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सुकना में स्थित भारतीय सेना के 33 कोर के मुख्यालय में दशहरे के मौके पर शस्त्र पूजा के बाद यह टिप्पणी की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल शनिवार को उत्तराखंड में अपने पैतृक गांव घीड़ी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां पर अपनी पत्नी के साथ कुलदेवी बाल कुंवारी की पूजा अर्चना की। साथ ही ग्रामीणों के साथ खुलकर गढ़वाली भाषा में भी बातचीत की। एनएसए बनने के बाद डोभाल तीसरी बार अपने गांव आए।

## परमाणु हथियारों के विनाश को कम कर सकती है धूल, रिसर्च में हुआ खुलासा

**नई दिल्ली।** धूल से सभी परेशान हैं। स्वास्थ्य पर इसके गंभीर दुष्परिणामों से भी सभी वाकिफ हैं, लेकिन धूल बड़े-बड़े काम भी कर सकती है। एक शोध में ज्ञात हुआ है कि धूल से परमाणु हथियारों के दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है। इस दिशा में आगे शोध करने से परमाणु हथियारों के प्रभाव को कम करने की तकनीकें विकसित करने का रास्ता खुल सकता है। नई दिल्ली स्थित नेताजी सुभाष टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी की डॉ. मीरा चड्ढा ने यह शोध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग यानी डीएसटी की महिला वैज्ञानिक योजना फेलोशिप के तहत किया है। यह योजना खास तौर पर उन महिला वैज्ञानिकों के लिए तैयार की गई है, जिनके करियर में पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण अवरोध आ जाता है। डॉ. चड्ढा भी एक साल की चाइल्ड केयर लीव पर थीं और उन्होंने इस दौरान भी अपना शोध जारी रखा।

उन्होंने गणितीय माडलिंग द्वारा यह साबित किया है कि परमाणु हथियारों के घातक प्रभावों को धूल कणों की मदद से हल्का किया जा सकता है। उनका शोध हाल में प्रोसीडिंग्स ऑफ रायल सोसायटी, लंदन में प्रकाशित हुआ है। शोध के अनुसार किसी गहन विस्फोट जैसे परमाणु विस्फोट से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा और उससे प्रभावित होने

वाले विनाश के क्षेत्र के दायरे को धूल कणों के माध्यम से कम किया जा सकता है। उन्होंने मॉडल के जरिए यह दिखाया है कि कैसे यह तीव्रता कम होती है। इस दिशा में पूर्व के अध्ययनों को यदि आधार बनाया जाए तो परमाणु विस्फोट की तीव्रता को 40 फीसदी तक कम करना संभव दिखता है।

**कलाम से प्रेरणा मिली**-डॉ. मीरा चड्ढा को यह प्रेरणा पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से मिली। उन्होंने एक किताब पढ़ी, जिसमें कलाम से किसी ने प्रश्न पूछा था कि क्या कोई ऐसा बम बनाया जा सकता है जो परमाणु बम के प्रभाव को निष्क्रिय कर दे?

## बेरोजगारी को लेकर गुस्सा और प्रवासी संकट क्या नीतीश के वोट बैंक में लगाएगा सेंध?

**पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार अपने चरम पर पर है। एनडीए और महागठबंधन समेत सभी छोटे-बड़े दल जोर शोर से मतदाताओं को रिझाने के लिए अपने-अपने तरीके से कोशिश कर रहे हैं। लेकिन क्या इस बार बेरोजगारी को लेकर गुस्सा और प्रवासी संकट क्या नीतीश के वोट बैंक में लगाएगा सेंध? पटना में 40 वर्षीय कैब ड्राइवर सुनील कुमार उन कई लोगों में से एक थे, जिन्होंने इस साल 68-दिवसीय राष्ट्रव्यापी कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अपनी नौकरी खो दी थी। कुमार जून में मुंबई से बिहार के नालंदा जिले के हिलसा स्थित अपने पैतृक गाँव लौट आए और करीब ढाई महीने तक बिना नौकरी के बिताए। लगभग 2.6 मिलियन प्रवासी कामगारों में से एक जिन्हें अपने राज्य में वापस जाने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि महामारी के चलते नौकरी खत्म हो गई। कुछ महीनों की शुरुआती मुश्किलों के बाद कुमार पटना चले गए और टैक्सी चलाने का काम संभाला। सुनील ने बताया कि- मैंने गाँव में रहने को इंज्वाय किया

और खेती बाड़ी में अपने परिवार की मदद की। लेकिन, कोई नियमित आय नहीं होने की वजह से मैंने अपने एक पुराने नियोक्ता से संपर्क किया, जिसके साथ मैंने पटना में कुछ समय तक काम किया था। कुमार अत्यंत पिछड़े वर्गों (ईबीसी श्रेष्ठ) से हैं, जो छोटी पिछड़ी जाति के समुदायों का एक संग्रह है, जिन्हें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद के यादवों और मुसलमानों के प्रभावशाली आधार के काउंटर के रूप में पाला था। दरअसल 2005 के बाद से जब नीतीश कुमार सत्ता में आए, तो एक चौथाई वोट बैंक वाले अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का समर्थन किया था लेकिन इस बार प्रवासी संकट और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार के रवैये को लेकर ईसीबी गुस्से में है। वे कई राजनीतिक विकल्पों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। इस गुस्से को अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(एनडीए) और नौकरियों पर विपक्षी महागठबंधन की ओर से प्रतिस्पर्धा के दावों को लेकर भ्रम की स्थिति में डाल दिया गया है। दरअसल महागठबंधन के साथी राजद ने जहां युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया है वहीं एनडीए के साथी भाजपा ने 19 लाख नौकरियां पैदा करने का वादा किया है।

युवा गुस्से में और वे भ्रमित भी हैं

एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एडीआरआई) के सदस्य सचिव सिब्बल गुप्ता ने कहा कि युवा गुस्सा हैं और वे भ्रमित भी हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, जिनमें से ( ) भी एक हिस्सा है यह बात अच्छी तरह जानता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

## बच्चों से डाटा चोरी

बच्चों के तीन एप को गूगल प्ले स्टोर ने बाहर का रास्ता दिखाकर एक अच्छा काम किया है। इन तीनों एप की पहुंच करीब दो करोड़ मोबाइल या बच्चों तक थी और ये एप बच्चों से संबंधित डाटा को न केवल अपने पास संग्रहित कर रहे थे, बल्कि आरोप है कि व्यावसायिक मकसद से इनका इस्तेमाल भी कर रहे थे। आशंका है, बच्चों से संबंधित डाटा की बिक्री हो रही थी। डाटा संग्रह की नीतियों का उल्लंघन करते हुए ये एप संभावित रूप से उपयोगकर्ताओं के एंड्रॉयड आईडी और एंड्रॉयड विज्ञापन आईडी नंबरों का उपयोग कर रहे थे। बच्चे जब किसी एप का उपयोग करते हैं, तो वे बहुत सावधान नहीं होते और बहुत सारी जानकारियां वे गेम खेलते हुए एप कंपनियों तक पहुंचा देते हैं। विशेष रूप से आजकल के बच्चों के पास बहुत तरह की सूचनाएं रहती हैं और वे अपने मां-बाप से जुड़ी सूचनाओं से भी लैस होते हैं। अत- गेम की सुविधा देने वाले अनेक एप के लिए खेल-खेल में ही बहुत सारा डाटा चुराना आसान हो जाता है। यह सफेदपोश अपराध ही है और केवल गूगल प्ले स्टोर से किन्हीं तीन एप को बाहर कर देने से न्याय का तकाजा पूरा नहीं होता है। केवल गूगल प्ले स्टोर से तीन एप हटा देने से क्या होगा? अन्य प्लेटफॉर्म के जरिए ये एप पहले की तरह ही मौजूद रहेंगे और सक्रिय भी। ऐसे एप और उनकी मालिक कंपनियों पर विशेष रूप से ध्यान रखने की जरूरत है। ऐसी कई कंपनियां हैं, जो एक से अधिक एप बाजार में चला रही हैं और उपभोक्ताओं के लिए यह पता लगाना कठिन है कि वे अपने किस एप का इस्तेमाल डाटा संग्रह के लिए कर रही हैं। अब इस सवाल गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि किसी भी सामान्य एप को किसी फोन के अंदर के कांटेक्ट नंबर, इमेज गैलरी, मैसेज बॉक्स तक पहुंच क्यों चाहिए? ग्राहकों को क्या मजबूर किया जाता है? क्या इसके लिए खुद प्ले स्टोर चलाने वाली कंपनी भी जिम्मेदार नहीं है? इस बार खतरा बड़ा है, बच्चों के गेमिंग एप के जरिए डाटा संग्रह की शिकायत आई है। जब वयस्क लोग ही एप के पूरे विज्ञान और व्यावसायिक उपयोग को ठीक-ठीक समझ नहीं पाते हैं, तब बच्चों के लिए तो यह विषय दूर की कौड़ी है। ध्यान देने की बात है, इंटरनेशनल डिजिटल अकाउंटेबिलिटी कौंसिल ने पाया है कि ये तीन एप बच्चों का डाटा संग्रह कर रहे थे। सवाल कई हैं, क्या केवल यही तीन एप थे, जो ऐसा कर रहे थे? इस कौंसिल को साफ तौर पर जांच करके सबको बताना चाहिए कि किस-किस एप के जरिए जासूसी या डाटा चोरी हो रही है। दूसरी ओर, गूगल या एप्पल जैसी कंपनियों की भी जिम्मेदारी बहुत ज्यादा है। उन्हें जब भी कोई गड़बड़ी दिखती है, तो वे एप को अपने दायरे से बाहर कर देती हैं, लेकिन क्या इतना ही पर्याप्त है? चोरी करने वाले एप या उसकी कंपनी के लिए क्या किसी दंड का प्रावधान नहीं है? गूगल प्ले स्टोर से इस साल अब तक 36 एप को बाहर किया जा चुका है। प्ले स्टोर पर 28 लाख से भी ज्यादा एप हैं, क्या सभी की चौकस निगरानी की जा रही है? क्या गलती या अपराध करने वाले एप की संख्या केवल 36 है? प्रिंसेस सैलून, नंबर कलरिंग और कैट्स ऐंड कॉसप्ले जैसे एप को लेकर जैसी गंभीरता दिखाई गई है, उसे विधिवत रूप से आगे ले जाने की जरूरत है।

# चुनौतियों से मुकाबले को बरकरार रहे आत्मबल

सुरेश सेठ

महीने के बाद महीना बीतता चला गया, जिंदगी की गाड़ी पटरी पर नहीं आयी। लगभग छह माह हो गये जब एक रहस्यमय संक्रामक वायरस ने पूरे विश्व को झकझोर दिया। हर चिन्तन, हर उम्मीद और हर लक्ष्य पर अनिश्चय के बादल मंडराने लगे। यह भ्रम टूट गया कि यहां पर अधिकतर लोग सीमित संसाधनों के कारण सीधा-सादा जीवन जीते हैं, अत- स्वस्थ हैं। यह मृत्युवाहक कोरोना का वायरस चाहे चीन के वुहान से आया हो, या उसके आसपास जीते अजब प्राणियों के असंतुलन से, वायरस बेरोकटोक फैला और अपने ज्ञान, समृद्धि और चिकित्सा शोध पर गर्व करने वाले अमेरिका, इंग्लैंड जैसे देशों को छका अपनी गिरफ्त में ले लिया। भारत के शासक दूरदर्शिता दिखाने में पीछे नहीं हटे। त्वरित सावधानी दिखाते हुए पूरे देश में चार चरण का असाधारण सख्त लॉकडाउन लगा दिया गया। इस 135 करोड़ के अत्यधिक आबादी वाले देश में एक बारगी सब थम गया। सुबह, दोपहर, शाम के मायने बदल गये। रोग थमा नहीं। महामारी के डैने फैलते गये, उन्होंने प्रकोप का रूप धारण कर लिया। 'जान है तो जहान है' का सहमा हुआ मूलमंत्र आज हर घर, हर परिवार की मौन वाणी बन गया। आम आदमी की उपलब्धियों, अपनी सफलताओं पर भरोसा क्षरित होने की शुरुआत हुई। आज इस कोरोना लहर के छह महीने गुजरने लगे, वह भरोसा नहीं लौटा। दुनिया के साथ-साथ इस देश का चिकित्सा विज्ञान भी इस बीमारी की विस्तृत होती दहशत के समक्ष पंगु नजर आया। इक्कीसवीं सदी में दूसरे ग्रहों से अपनी बस्तियां बसा लेने की महत्वाकांक्षा रखने वाले युगपुरुषों को लगा कि 'अरे हमसे तो अपना विश्व ही सम्भाला नहीं जा रहा, हम ब्रह्माण्ड की क्या थाह लेंगे?' पहली बार अपने विकास पर गर्व करने वाले मानव समूहों को लगा कि 'प्रकृति मानव से कहीं बड़ी है। सदियां गुजर जायेंगी, इसका बहुत कुछ उसके लिए अचिन्हा, अलभ्य रह जायेगा।' भारत ने सख्त लॉकडाउन में बहुत सावधानी बरती। दावा किया गया कि इसके संदेश, सामाजिक अन्तर, स्वच्छता, प्रदूषण से बचाने वाले मास्क पीपीई किट स और दस्तानों के इस्तेमाल से हमने अड़तीस से चालीस हजार जानें बचा लीं। लेकिन इससे क्या दिलासा मिले? दुनियाभर के सौ से अधिक चिकित्सा शोध संस्थान निरन्तर शोध, जांच और परीक्षण में जुटे हैं लेकिन दवा कोई है नहीं। संक्रमण का टेंटुआ दबाने के लिए कोई प्रभावी टीका सामने आया नहीं। महामारी का विकट समय गुजरता गया। लॉकडाउन के दो महीने गुजरे, जानें तो जा ही रही थीं, अब आर्थिक जहान भी आहत होने लगा। प्रकोप का सामना करने का मूल मंत्र बदला, केवल जान ही नहीं अपना आर्थिक जहान भी बचाना है। लॉकडाउन के सहमे हुए चरण अनलॉक और छूट की घोषणाओं के पांच चरणों में रूप बदलते नजर आये। लेकिन अपनी भौतिक उपलब्धियों और वैज्ञानिक एवं चिकित्सा शिखरों को विजय कर सकने का भरोसा लौटा नहीं। देखते ही देखते देश की संक्रमण दर 78 लाख से पार हो गयी। पूरी सावधानी को कवच बताने वाली घोषणाओं के बावजूद इस महामारी से काल का ग्रास बनने वालों की संख्या एक लाख से पार हो गयी।अपनी सेहत पर नाज करने वाला पंजाब और हरियाणा भी इससे बच नहीं पाया। हरियाणा में मृत्यु दर सीमित रही तो संक्रमित मरीजों की संख्या पंजाब से ऊपर चली गयी। लेकिन उससे क्या संतोष? पंजाब की मृत्यु दर, तीन प्रतिशत, हरियाणा ही नहीं देश में सबसे ऊपर चलने लगी। न जान बचती नजर आ रही है और न आर्थिक जहान! बस प्रशासकों की अब एक ही आवाज है-तुम्हें इस महामारी के साथ रहकर जीना सीखना होगा। 'जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं।' अब मास्क ही तुम्हारा कवच है और सामाजिक अन्तर जिरह बख्तर। लेकिन प्रकृति के अभेद्य सत्यों को कौन पहचान सकता है? लोग हर्ड इम्युनिटी का इंतजार कर रहे थे, उनके शरीरों में एंटीबॉडी के विकास की खबरें आ रही थीं कि माहौल बदल गया। रोजी-रोटी का नहीं, आर्थिक विकास का नहीं, आंकड़ों ने रुख बदलकर बताया, 'महामारी थक रही है।' संक्रमण के आंकड़े कम होने लगे। मृत्यु दर घटकर 1.5 प्रतिशत तक आ गयी, रिकवरी दर नब्बे प्रतिशत से ऊपर हो गयी। चौकस प्रशासक सचेत करते हैं, ऐसा सामाजिक अन्तर न छोड़ना, मास्क ही कवच है, क्योंकि सटीक दवा अभी कोसों दूर है।' उत्सव-त्योहार का महीना है, मना लो इसे, मांग बढ़ाने के लिए सरकार ने आर्थिक तोहफे भी बांट दिये, लेकिन याद रखना जब उत्सव जायेंगे, कंपा देने की दूसरी लहर आ सकती है। इस वर्ष खेतों में लोग अधिक पराली जला रहे हैं। 'सफर' मापक कहता है कि पिछले वर्ष दिल्ली में इसने चालीस प्रतिशत वायु प्रदूषण की घटनायें कर दीं। इसे रोकिये, क्योंकि इस वर्ष इससे जितना अधिक प्रदूषण होगा, उतनी ही कोरोना के संक्रमण की लहर गंभीर होगी। खैर, इन सत्यों को कौन नकार सकता है? देश को सावधानी हटी-दुर्घटना घटी का स्मरण करते हुए घटते हुए कोरोना संक्रमण को लौटने नहीं देना है। लेकिन नयी प्रतिबद्धता अपनाने के इस माहौल में न भूलिये कि प्रशासकीय अन्यमनस्कता, भ्रष्टाचारी और अराजक तत्वों द्वारा मौके का लाभ उठाकर खुलकर खेलने के प्रयास के बावजूद देश का आम इनसान हारा नहीं।इस दहशत भरे माहौल में भी इसके जीवट, उसकी जिजीविषा, उसके परिश्रम ने उसका दामन नहीं छोड़ा। औषधि रहित महामारी से मन्दी का संकट पैदा हो गया। लेकिन कृषक भारत के धरती पुत्र इस परीक्षा में खरे उतरे। उनके खेतों में फसलें और भी खुल कर मुस्करायीं। पहले गेहूं और फिर धान से उन्होंने राज्य के ओसारे भर दिये। नहीं तो सोचिये अगर महामारी के साथ अन्न संकट का ताण्डव होने लगता, तो जन समुदाय कैसे त्राहिमाम करता? स्कूल-कॉलेज बन्द होने से ऑनलाइन शिक्षा ने सिर उठा लिया। युवा पीढ़ी का अकादमिक वर्ष नष्ट नहीं होने देना है। अब शिक्षालयों के द्वार खोलने का प्रयास है। स्पष्ट है अभी सब आधा-अधूरा है। ऑनलाइन शिक्षा से लेकर कक्षागत पढ़ाई और परीक्षायें अभी मात्र सुगबुगायेंगी, धीरे-धीरे जीवित हो जायेंगी, भरोसा रहे। कम से कम इतना संतोष तो कर लें कि इन्हें निर्रथक नहीं होने दिया गया। इन छह महीनों में निष्ठा और आस्था के प्रतीक देवालयों के कपाट बन्द रहे, अब धीरे-धीरे खुल रहे हैं। लेकिन गुजरता वक्त साफ बता रहा है कि लोगों ने अपने आत्मबल से इस विकट समय को पार कर लिया। आत्मबल की निष्ठा से उनके अन्तस में देवालयों का निर्माण होने लगा। कोरोना का यह विकट समय गुजर ही जायेगा, लेकिन जिजीविषा का जो साक्षात्कार इस बीच आम आदमी ने किया है, उसे बने रहना है। अन्तस में अगर देवालयों का स्पर्श हो गया है तो उसे सार्थक करना है। लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

## आज के ट्वीट

### पतन

**कौरवों के पतन के दो ही मुख्य कारण थे पुत्र मोह और नारी अपमान महाराष्ट्र में दोनों ही स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं**

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

## आवेश व अधीरता

श्रीराम शर्मा आचार्य

जरा सी प्रतिकूलता को सहन न कर सकने वाले आवेशग्रस्त, उत्तेजित, अधीर और उतावले मनुष्य सदा गलत सोचते और गलत काम करते हैं। उत्तेजना एक प्रकार का दिमागी बुखार है। जिस प्रकार बुखार आने पर देह का सारा कार्यक्रम लड़खड़ा जाता है उसी प्रकार आवेश आने पर मस्तिष्क की विचारणा एवं निर्णय में कोई व्यक्ति सही निर्णय नहीं कर सकता। आवेशग्रस्त मनुष्य प्राय- न करने योग्य ऐसे काम कर डालते हैं, जिनके लिए पीछे सदा पश्चाताप ही करते रहना पड़ता है। आत्महत्याएं प्राय- इन्हीं परिस्थितियों में होती हैं। कहनी अनकहनी कह बैठते हैं। मारपीट, गाली-गलौज, लड़ाई-झगड़े, कत्ल आदि के दुखद कार्य भी उत्तेजना के वातावरण में ही बन पड़ते हैं। अधीरता भी एक प्रकार का आवेश ही है। बहुत जल्दी मनमानी सफलता अत्यन्त सरलतापूर्वक मिल जाने के सपने बाल बुद्धि के लोग देखा करते हैं वे यह नहीं सोचते कि महत्त्वपूर्ण सफलताएं तब मिला करती हैं, जबकि व्यक्ति श्रमशीलता, पुरुषार्थ, साहस, धैर्य एवं सद्गुणों की अग्नि परीक्षा में गुजर कर अपने आपको उसके उपयुक्त सिद्ध कर देता है। जल्दीबाजी में बनता कुछ नहीं, बिगड़ता बहुत कुछ है। इसलिए धैर्य को सन्तुलन और शान्ति को एक श्रेष्ठ मानवीय गुण माना गया है। तुर्त-फुर्त सफलता किसे मिली है, किसके सब साथी सज्जन और सुणी होते हैं? हर समझदार आदमी को सहनशीलता, धैर्य और समझौते का मार्ग अपनाना पड़ता है। जो प्राप्त है उसमें प्रसन्नता अनुभव करते हुए अधिक के लिए प्रयत्नशील रहना बुद्धिमानी की बात है पर यह परले सिरे की मूर्खता है कि अपनी कल्पना के अनुरूप सब कुछ न मिल जाने पर मनुष्य खिन्न, दुखी और असंतुष्ट ही बना रहे। सबकी सब इच्छाएं कभी पूरी नहीं हो सकती। अधूरे में भी जो सन्तोष कर सकता है उसी को इस संसार में थोड़ी सी प्रसन्नता उपलब्ध हो सकती है। अन्यथा असंतोष और तृष्णा की आग में जल मरने के अतिरिक्त और कोई चारा नहीं हैं। अधीर, असंतोष और महत्त्वाकांक्षी मनुष्य जितने दुखी देखे जाते हैं; उतनी जलन, दर्द और पीड़ा से पीड़ित घायल और बीमारों को भी नहीं होती। सन्तोष का मरहम लगाकर कोई भी व्यक्ति इस जलन से छुटकारा प्राप्त कर सकता है।

## आज का राशिफल

**मेष** व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**वृषभ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

**कर्क** आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**कन्या** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**तुला** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

**वृश्चिक** आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**धनु** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

**मकर** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

**कुम्भ** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

# बांटने से दूर होते हैं दुख-दर्द

नरपत दान बारहठ

मनुष्य जीवन में आर्थिक, सामाजिक या पारिवारिक स्थितियां आती रहती हैं। इनसे प्रताड़ित मनुष्य कभी-कभी इतना दुखी होता है कि उसे जीवन दर्द और जीना दुश्वारी भरा लगने लगता है। ऐसे हालात में मायूसी भी घर कर लेती है। आहिस्ता-आहिस्ता आदमी भीतर से टूटने लगता है। स्वभाव से ही मनुष्य भावनाओं को लेकर बेहद संजीदा है। जब कभी भावनात्मक रूप से जुड़े व्यक्ति या वस्तु से दर्द मिलता है तो वह दर्द सबसे बड़ा दर्द होता है। उस दर्द से उबरना भी इतना आसान नहीं होता।विडम्बना यह है कि कोई किसी का दुख-दर्द सुनना नहीं चाहता। सब अच्छी बातें ही सुनना चाहते हैं। आपने देखा होगा कि कई लोग अपने मित्र के बारे में बताते हैं कि यार वह तो हमेशा अपना दुखड़ा सुनाता रहता है। यानी कोई किसी के दुख का भागीदार बनना नहीं चाहता और यही दुख के बढ़ने का कारण है। अगर कोई किसी के दुख-दर्द को सुने, समझे और सांत्वना दे तो उसका दिल हल्का हो जाता है और धीरे-धीरे समय के साथ उस दर्द को पूर्णतया भुलाया भी जा सकता है। कहा जाता है कि अगर किसी दुखी व्यक्ति को अपनत्व का सम्बल मिल जाए तो उसका दुख भाग जाता है। उसे मायूसी में खुशी की आशा नजर आने लगती है। ऐसी ही एक कहानी है। एक फ़कीर थे। नाम था दुखभंजन। कहते थे कि खुदा से उनका साक्षात्कार होता रहता है। स्वभाव से बहुत सीधे, सरल, मिलनसार, स्नेही और हमेशा खुशदिल। उनका कहना था कि वे जिससे भी मिलते, उसका दुख हर लेते थे। सब लोग उनका बहुत सम्मान करते थे। जैसा कि सामान्यतया होता है, कोई न कोई व्यक्ति पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों से दुखी रहता है, उसी प्रकार वहां भी कुछ लोग दुखी थे। अब उन्होंने निश्चय किया कि वे अपना दुख-दर्द मिटाने के लिए फकीर के पास जायेंगे। चेहरे पर गहरी मायूसी लिए दस-बारह व्यक्ति पहुंच गए फकीर की कुटिया में। फकीर ने उनको गले लगाया और अपने हाथों से पानी पिलाया। सभी के दुख सुने और विनम्र स्वभाव से कहा-आप सबकी दुख-दर्द की कहानी का निवारण होगा। इसलिये आप रोज दस दिन मेरे पास आइये। जब मुझे आपकी व्यथा समझ आ जायेगी तभी मैं उसे ईश्वर से कह पाऊंगा। सभी ने उनकी बात स्वीकार की और चल दिये अपने गांव। अब रोज वो सब आते और फकीर से मिलते, फकीर उन्हें गले लगाता और उनके दुख सुनता और सांत्वना देता। ग्यारहवें दिन सब लोग आये जो उम्मीद और उत्सुकता से भरे थे क्योंकि आज दुख मिटाने का फैसला था। अचानक फकीर जोर-जोर से हंसता हुआ कुटिया से निकला, सबको गले लगाया और सभी को एक-एक फूल और आशीर्वाद दिया। फिर वह बोला-मेरे प्यारे लोगों, मैं देख रहा हूं कि आज आप लोगों के चेहरे पर मायूसी नहीं दिख रही है। सब लोगों ने कहा-हां गुरुदेव, अब हमें इतना दुख महसूस नहीं हो रहा है। हम भूल गए हैं कुछ दर्द। शायद आपने हमारे दुख-दर्द खुदा से मिलकर मिटा दिये हैं। तभी हम प्रसन्न हैं। फकीर ने गम्भीरता से कहा-प्यारे बंधुओ! मैं भी आप जैसा ही इनसान हूं। मैं कोई खुदा के पास दुख मिटाने की अर्जी लेकर नहीं जाता। मैंने दस दिन तक आपके दुख-दर्द सुने। आपने अपना दर्द मुझसे साझा किया और साझा करने से आपका दुख हल्का हुआ। आपका मन अब दुख से आजाद है, भले ही आपको वो दुख याद है। दुख की जगह आपकी भावनाओं से मैं जुड़ा और मैंने आपको खुदा से जोड़ा। इसी प्रक्रिया में आपके विचार और मन जो केवल दुख की पीड़ा से जकड़े हुए थे, अब वो विभाजित हो गए हैं। आपका मन हल्का हो गया है। बस इसी कारण आप खुश हैं। फकीर ने कहा-यही दुख-दर्द की दवा है कि आप अपने दुख अपनों से बांट लो। एकांत में मत रहो। आगे से आप लोग यह शपथ लो कि आप लोग भी दूसरों के दर्द को सुनोगे, उसे सांत्वना दोगे। जब समाज के सभी लोग मिलकर रहेंगे, एक-दूसरे के दुख-दर्द बांटेंगे, एक-दूसरे की सहायता करेंगे तो कोई दुखी नहीं रहेगा। दुख का कारण भी हम हैं। क्योंकि हम दुख और दुखी दोनों से दूर भागते हैं। इसे गले लगाओ। फकीर की बातें सुनकर सभी लोग प्रसन्न हुए और अपने गांव लौट आये। आगे से उन लोगों ने दूसरे दुखी व्यक्तियों से भी वैसा ही व्यवहार किया जैसा फकीर ने उनके साथ किया था। अब उस गांव में कोई मायूस और दुखी व्यक्ति नजर नहीं आता था। उन्होंने दुख-दर्द को जीवन के लिए एक बोझ ना मानकर, उसे जीवन का अध्याय समझा और उसे अपनों से साझा करके मन को पीड़ा से मुक्त रखा। इसी तरह हमें भी अपने मित्रों, रिश्तेदारों के दुख-दर्द सुनने चाहिए और अपने दुख-दर्द बांटने चाहिए क्योंकि दुख बांटने से कम होता है। इसलिए हर किसी का दर्द मिटाते रहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

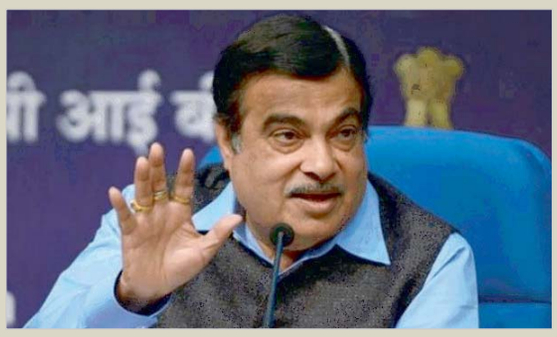

## गडकरी ने कहा, एनएचएआई के 'अक्षम' अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाने का समय

**नयी दिल्ली,** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) में काम की सुस्त रफ्तार से काफी नाराज हैं। गडकरी ने एनएचएआई में 'देरी' की कार्य संस्कृति पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि अब समय आ गया है जबकि 'गैर-निष्पादित आस्तियों' को बाहर का रास्ता दिखाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग परियोजनाओं में देरी कर रहे हैं और अड़चनें पैदा कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि एनएचएआई अक्षम अधिकारियों का 'स्थल' बना हुआ है, जो अड़चनें पैदा कर रहे हैं। ये अधिकारी प्रत्येक मामले को समिति के पास भेज देते हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जबकि ऐसे अधिकारियों को 'निलंबित' और बर्खास्त किया जाना चाहिए और कामकाज में सुधार लाया जाना चाहिए। गडकरी ने द्वारका में एनएचएआई के भवन के उद्घाटन के अवसर पर एक वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस भवन को बनने में नौ साल लगे हैं। उन्होंने कहा कि यहां ऐसे एनपीए हैं जो केंचुएं की तरह भी काम नहीं कर सकते हैं। यहां उन्हें रखा जाता है और पदोन्नत किया जाता है। मंत्री ने कहा, ''इस तरह की विरासत को आगे बढ़ाने वाले अधिकारियों के रवैये पर मुझे शर्म आती है।'' एनएचएआई के भवन के निर्माण में देरी पर नाराजगी जताते हुए गडकरी ने कहा, ''ये अधिकारी फैसले लेने में विलंब करते हैं और जटिलताएं पैदा करते हैं। ये मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम), महाप्रबंधक (जीएम) स्तर के अधिकारी हैं जो बरसों से यहां जमे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस इमारत के लिए निविदा 2011 में दी गई थी। इसे पूरा होने में नौ साल लगे। इस दौरान सात एनएचएआई चेयरमैन और दो सरकारें आईं-गईं। उन्होंने कहा कि आठवें चेयरमैन एस एस संधू के कार्यकाल में यह भवन पूरा हुआ। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस तरह की देरी पर एक शोध पत्र तैयार होना चाहिए। इसमें देरी के लिए जिम्मेदार सीजीएम और जीएम की तस्वीरें होनी चाहिए। गडकरी ने कहा कि ऐसे लोगों का नाम और तस्वीरें सार्वजनिक करने के लिए समारोह होना चाहिए, जैसा कि मंत्रालय अच्छा काम करने वाले अधिकारियों के लिए करता है।

## मर्सडीज बेंज ने नवरात्रि, दशहरा के दौरान 550 कारों की डिलिवरी की

**नयी दिल्ली,** लक्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी मर्सडीज-बेंज ने नवरात्रि और दशहरा के दौरान 550 कारों की डिलिवरी की। यह बिक्री त्यौहारी मौसम में तेज मांग को दिखाता है। कंपनी ने यह आपूर्ति मुंबई, गुजरात, दिल्ली-एनसीआर और अन्य उत्तर भारतीय बाजारों में की है। मर्सडीज-बेंज ने एक बयान में कहा कि इनमें से 175 कारों की आपूर्ति अकेले दिल्ली-एनसीआर में की गयी। आने वाले दिनों में धनतेरस और दिवाली के दौरान मांग में और वृद्धि होने की उम्मीद है। इस बारे में कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा, '' इस साल त्यौहारी मौसम की शुरुआत अच्छी रही है। ग्राहकों की सकारात्मक खरीद धारणा देखकर हम खुश रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इतनी कारों की डिलिवरी ने हमें त्यौहारों में अच्छी बिक्री का भरोसा दिया है।

# कोर्ट ने विजय माल्या को दिया झटका, UBHL द्वारा दायर याचिका को किया खारिज

**बिजनेस डेस्क:**

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शराब कारोबारी विजय माल्या की यूनाइटेड ब्रेवरीज होल्डिंग्स लिमिटेड (यूबीएचएल) द्वारा कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया। इसमें किंगफिशर एयरलाइंस लिमिटेड के बकाए की रिकवरी के लिए कंपनी को बंद करने पर रोक लगाने के आदेश के खिलाफ चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति यूयू ललित की अगुवाई वाली खंडपीठ ने यूबीएचएल द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने इस प्रकार यूबी समूह की 102 वर्षीय पैरेंट कंपनी के समापन पर मुहर लगा दी। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने एसबीआई की अगुवाई में बैंकों के कंसोर्टियम का प्रतिनिधित्व करते हुए शीर्ष अदालत को सूचित किया कि अब तक लगभग 3,600 करोड़ रुपए की वसूली की जा चुकी है लेकिन अभी भी माल्या और यूबीबीएल से 11,000 करोड़ रुपए वसूले जाने हैं। रोहतगी ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कंपनी की संपत्तियों को कुर्क नहीं करना चाहिए था क्योंकि ये एनक्मबर्ड संपत्तियां थीं और इस तरह बैंकों का संपत्तियों पर पहला दावा था। फरवरी 2018 में कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार यूबीएचएल का अपने लेनदारों का कुल बकाया लगभग 7,000 करोड़ रुपए है। 30 सितंबर को, यूनाइटेड ब्रेवरीज होल्डिंग लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उसने अपनी बकाया राशि का निपटान करने के लिए विभिन्न बैंकों को 14,000 करोड़ रुपए की पेशकश की थी। यूनाइटेड ब्रुवरीज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया था कि चूंकि कंपनी की संपत्ति कुल ऋण से अधिक है, इसलिए कंपनी को बंद करने के आदेश देने का फैसला नहीं बनता। वैद्यनाथन ने जोर देकर कहा कि ईडी ने कंपनी की कई संपत्तियों को कुर्क किया था, जिसके परिणामस्वरूप कोई भी संपत्ति बैंकों के लिए उपलब्ध नहीं थी।

## मारुति सुजुकी की बलेनो ने बनाया नया रिकॉर्ड, सिर्फ 5 सालों में बिकीं 8 लाख कारें

**नई दिल्ली:** देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसकी प्रीमियम हैचबैक कार बलेनो की आठ लाख इकाइयां बिक चुकी हैं। इसे कंपनी ने 2015 में भारतीय बाजार में उतारा था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 59 महीनों की रिकॉर्ड अवधि में आठ लाख की बिक्री का आंकड़ा पार करना एक कीर्तिमान है। मारुति सुजुकी के विपणन और बिक्री कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ''पांच वर्ष की छोटी अवधि में आठ लाख ग्राहकों का आंकड़ा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह बलेनो को पेश करने की हमारी ग्राहक उन्मुखी धारणा को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि बलेनो ने कंपनी को प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में स्थापित करने में मदद की है। साथ ही कंपनी की 'नेक्सा' बिक्री केंद्र श्रृंखला को पहचान दी है।

### देश का कच्चा इस्पात उत्पादन सितंबर में तीन प्रतिशत गिरकर 85 लाख टन : वर्ल्डस्टील

**नयी दिल्ली,**

देश का कच्चा इस्पात उत्पादन सितंबर में 2.9 प्रतिशत गिरकर 85.20 लाख टन रहा। इस्पात उद्योग के वैश्विक संगठन वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (वर्ल्डस्टील) ने अपनी नवीनतम रपट में यह जानकारी दी। पिछले साल इसी माह में देश का इस्पात उत्पादन 87.72 लाख टन था। वर्ल्डस्टील ने कहा कि वैश्विक उत्पादन का स्तर बेहतर हुआ है। रपट के मुताबिक, '' सितंबर 2020 में 64 देशों का कच्चा इस्पात उत्पादन 15.63 करोड़ टन रहा। यह सितंबर 2019 के 15.19 करोड़ टन से 2.9 प्रतिशत अधिक उत्पादन है।'' वर्ल्डस्टील 64 प्रमुख इस्पात उत्पादक देशों की वैश्विक प्रतिनिधि संस्था है। रपट में कहा गया है, '' कोविड-19 महामारी से उपजी परिस्थितियों के चलते इस महीने के अधिकतर आंकड़े अनुमानि हैं और अगले महीने की रपट में इनके संशोधित आंकड़े पेश किए जाएंगे।'' वर्ल्डस्टील के आंकड़ों के अनुसार समीक्षावधि में चीन का इस्पात उत्पादन सालाना आधार पर 10.09 प्रतिशत बढ़कर 9.25 करोड़ टन रहा। पिछले साल सितंबर में यह 8.34 करोड़ टन था। इस दौरान अमेरिका का कच्चा इस्पात उत्पादन 18.5 प्रतिशत घटकर 57.09 लाख टन रहा जो पिछले साल इसी माह में 70.04 लाख टन था। जापान का उत्पादन इस अवधि में 19.3 प्रतिशत गिरकर 64.86 लाख टन रहा जो पिछले साल इसी माह में 80.39 लाख टन था।

# 1 नवंबर से बदल जाएंगे LPG सिलेंडर की होम डिलीवरी के नियम

**बिजनेस डेस्क:**

अगले महीने यानी 1 नवंबर से **LPG** सिलेंडर की डिलीवरी के लिए बड़ा फेरबदल देखने को मिलने वाला है। तेल कंपनियां अब सिलेंडर की चोरी रोकने सही ग्राहकों की पहचान करने के लिए एक नया सिस्टम बना रही हैं। इसमें होम डिलीवरी के लिए कंपनियां **Delivery Authentication Code (DAC)** लागू कर रही हैं। इसमें सिलेंडर की बुकिंग **OTP** के जरिए होगी। इस सिस्टम में अब सिर्फ बुकिंग कराने भर से काम नहीं चलेगा यानी जब डिलीवरी मैन घर पहुंचेगा तो उसको **OTP** बताना होगा तभी सिलेंडर आपको मिलेगा। एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड **(DAC)** राजस्थान के जयपुर में पहले से ही चल रहा है। इसे शुरुआती दौर में देश के 100 स्मार्ट शहरों में लागू किया जाएगा। जिन ग्राहकों को **LPG** सिलेंडर की होम डिलीवरी की जाएगी, उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर में एक कोड भेजा जाएगा। जब सिलेंडर डिलीवरी के लिए घर पर मिलेगा, तब ये **OTP** आपको डिलीवरी बॉय के साथ शेयर करना होगा। एक बार इस कोड का सिस्टम से मिलान करने के बाद ही ग्राहक को सिलेंडर की डिलीवरी की जाएगी। जिन ग्राहकों का मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड नहीं है, तो डिलीवरी पर्सन एक ऐप के जरिए इसे **Real time** अपडेट भी कर पाएगा और कोड जनरेट करेगा। इस प्रकार से ग्राहकों को कोड मिल जाएगा। ऑयल कंपनियों की तरफ से सभी ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वो अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेट करा दें। ताकि उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी लेने में किसी तरह की कठिनाइयों का सामना ना करना पड़े। हालांकि यह नियम कमर्शियल **(commercial) LPG** सिलेंडर के लिए लागू नहीं होगा।

## विभिन्न खरीद पर 65 प्रतिशत तक की छूट पा सकते हैं रुपे कार्डधारक: एनपीसीआई

**नयी दिल्ली,**

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने रुपे कार्डधारकों के लिये विभिन्न ब्रांडों की खरीद पर 65 प्रतिशत तक की छूट का सोमवार को खुलासा किया। एनपीसीआई ने एक बयान में कहा कि रुपे फेस्टिव कार्निवल में रुपे कार्ड के उपयोगकर्ताओं को आकर्षक लाभ और आकर्षक छूट मिलेगी। इसका उद्देश्य सुरक्षित, संपर्क रहित और कैशलेस भुगतान को प्रोत्साहित करना है। रुपे कार्डधारक इस योजना के तहत न केवल स्वास्थ्य, फिटनेस, शिक्षा, ई-कॉमर्स जैसी श्रेणियों में आकर्षक प्रस्तावों का लाभ उठा सकते हैं, बल्कि वे भोजन, खरीदारी, मनोरंजन, फार्मेसी और अन्य श्रेणियों में भी लाभ उठा सकते हैं। निगम ने कहा कि ग्राहक अमेजन, स्विगी, सैमसंग सहित अन्य शीर्ष ब्रांडों पर 10-65 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकेंगे। विपणन विभाग के प्रमुख कुणाल कलावतिया ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि कार्निवल के आकर्षक लाभ और छूट ग्राहकों के बीच उत्सव की खुशी को नये तरीके से बढ़ाएंगे। इसके साथ ही उनके त्योहारी खरीदारी पर डिजिटल और संपर्क रहित भुगतान को भी बढ़ाएंगे।''

# सेंसेक्स 540 अंक लुढ़का, अमेजन-रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच विवाद से निवेशक धारणा प्रभावित

**मुंबई,**

वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 540 अंक लुढ़क गया। सूचकांक में मजबूत स्थिति रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में नुकसान के साथ बाजार में गिरावट आयी। मुकेश अंबानी के अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के फ्यूचर ग्रुप के खुदरा कारोबार के अधिग्रहण को लेकर अमेजन के पक्ष में अंतरिम मध्यस्थता आदेश आने के बाद कंपनी का शेयर नीचे आया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तीव्र गिरावट का भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स एक समय 737 अंक नीचे चला गया था। बाद में इसमें कुछ सुधार आया और अंत में 540 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,145.50 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 162.60 अंक यानी 1.36 प्रतिशत टूटकर 11,767.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में बजाज ऑटो रही। इसमें 6.10 प्रतिशत की गिरावट आयी। जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट रही, उनमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। आरआईएल का शेयर 3.97 प्रतिशत नीचे आ गया। इसका कारण फ्यूचर ग्रुप के रिलायंस इंडस्ट्रीज को खुदरा कारोबार 24,713 करोड़ रुपये में बेचने के मामले में अमेजन डॉट कॉम के पक्ष में अंतरिम मध्यस्थता आदेश का आना है। अमेजन पिछले साल खुदरा और फैशन समूह में अल्पांश हिस्सेदारी हासिल की थी। उसका कहना है कि फ्यूचर का अपना खुदरा, थोक, लॉजिस्टिक और गोदाम कारोबार रिलायंस को बेचना उसके साथ किये गये गये अनुबंध का उल्लंघन है। अनुबंध में यह प्रावधान शामिल था कि इस प्रकार की पेशकश सबसे पहले उसे की जानी थी। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र ने रविवार को फ्यूचर रिटेल और उसके संस्थापकों पर अंतिम आदेश आने तक बिक्री के लिये आगे कदम बढ़ाये जाने पर रोक लगा दी। लाभ में रहने वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड और एचयूएल शामिल हैं। इसमें 2.48 प्रतिशत तक की तेजी आयी। उधर, यूरोप और अन्य क्षेत्रों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों और ताजा प्रोत्साहन उपायों का लेकर अनिश्चितता की वजह से रुख कमजोर रहा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में उतार-चढ़ाव उम्मीद के अनुरूप है। इसका कारण अमेरिका में चुनाव की तारीख का करीब आना है। कीमतें ऊंची है, इसके कारण अनिश्चितता को झेलने की बाजार की क्षमता सीमित हुई है। हालांकि चुनाव के परिणाम से दीर्घकलीन रुझान में बदलाव की संभावना कम है। अमेरिका तथा यूरोप में कोविड-19 के बढ़ते मामले तथा अमेरिका में प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा में देरी से निवेशकों में चिंता बढ़ी है।'' उन्होंने कहा, ''हाल में आयी तेजी के बाद भारतीय बाजार में सुधार आ रह है। तेजी का कारण कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम का बेहतर होना है। निकट भविष्य में घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख रहने की आशंका है। इस पर दूसरी तिमाही के अन्य कंपनियों के वित्तीय परिणामों और अमेरिका की गतिविधियों का असर पड़ने की संभावना है। हालांकि 11,500 का स्तर निफ्टी-50 के लिये मजबूत आधार है, ऐसे में अभी कोई बड़े सुधार की संभावना नहीं है।'' वैश्विक मोर्चे पर चीन का शंघाई, जापान में तोक्यो और दक्षिण कोरिया में सोल नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41.14 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 73.84 पर बंद हुआ।

# वालमार्ट हरियाणा में शुरू कर रही है लघु व्यवसायों के कौशल विकास का कार्यक्रम

**नयी दिल्ली,**

वैश्विक खुदरा कंपनी वालमार्ट दिल्ली से लगले हरियाणा के इलाकों के लघु व्यवसायों के क्षमता निर्माण और कौशल विकास का कार्यक्रम शुरू करेगी। कंपनी ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि 'वालमार्ट वृद्धि आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम' पानीपत-सोनीपत-कुंडली संकुल में मंगलवार से शुरू हो रहा है। उसका कहना है कि यह कार्यक्रम भारत में पांच साल में 50 हजार एमएसएमई का सशक्तिकरण कर 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से उन्हें घरेलू तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ जोड़ने के उसके वृहद कार्यक्रम का हिस्सा है। 'वॉलमार्ट वृद्धि' के वरिष्ठ निदेशक नितिन दत्त ने कहा, '''वॉलमार्ट के पास आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, ई-वाणिज्य तथा थोक खुदरा का वैश्विक अनुभव है। इस अनुभव के साथ इस कार्यक्रम में एमएसएमई को डिजिटल सक्षमता और सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय संचालन के लिए सलाह दी जाएगी।'' विज्ञप्ति के मुताबिक इस कार्यक्रम का मकसद संकुल के कपड़ा, इस्पात उत्पाद एवं अन्य उपभोक्ता उत्पादों की आपूर्ति करने वाले छोटे व्यवसायों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास करना है। यह छोटे व्यवसायियों में डिजिटल क्षमता निर्माण को बढ़ावा देगा। यह कार्यक्रम अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य के अनुरूप लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र (एमएसएमई) की प्रशिक्षण और व्यवसायिक परामर्श आवश्यकताओं को पूरा करेगा। कंपनी ने कहा कि कार्यक्रम के तहत दी जाने वाली व्यवसाय संबंधी सलाह एमएसएमई को वित्तीय संसाधन जुटाने और उनके लिए लायी गयी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करेगी।

## जीएसटी दर में किसी भी तरह की कटौती यात्री वाहन उद्योग को समर्थन देने वाली होगी : टाटा मोटर्स

**नयी दिल्ली,**

टाटा मोटर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यात्री वाहनों पर माल एवं सेवाकर (जीएसटी) की दर में कमी का समर्थन किया है। अधिकारी का मानना है किकटौती बीएस-6 उत्सर्जन मानकों को अपनाने से वाहनों की बढ़ी कीमत के असर को खत्म करने में सहायक होगी। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन कारोबार इकाई के अध्यक्ष शैलेष चंद्र ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, ' वाहन की कीमत में कमी का लाभ अंतिम उपभोक्ता को भी होगा जो अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति की वजह से पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहा है।'' उन्होंने कहा, '' बीएस-4 के बाद सीधे बीएस-6 अपनाने से लागत में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति में ग्राहक भविष्य में अपने वेतन या नौकरी को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं है।'' चंद्र ने कहा, ''इसके भी ऊपर वाहनों की कीमत बढ़ रही है। यह निश्चित तौर पर उद्योग को गहरे तक असर करेगा।

ऐसे में सरकार की ओर से जीएसटी की दर कोई भी कटौती समर्थन करने वाली होगी और यह बढ़ी हुई कीमतों को कुछ कम करने में मदद करेगी। इससे यात्री वाहन उद्योग को निश्चित तौर पर बढ़त मिलेगी।''

वह जीएसटी में कटौती से वाहन उद्योग को मिलने वाले लाभ से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उच्चतम न्यायालय के आदेश के चलते देश में एक अप्रैल 2020 के बाद से बीएस-6 वाहनों की ही बिक्री हो सकती है। ऐसे में भारतीय वाहन उद्योग ने बीएस-4 के स्थान पर बीएस-6 उत्सर्जन मानकों को अपनया है। कंपनियों ने इस बदलाव के अनुरूप अपने कारखानों और उत्पादों को तैयार करने पर करीब 40,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जबकि वाहन कलपुर्जा उद्योग को भी इसके लिए 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करना पड़ा है।

चंद्र ने कहा कि इस बदलाव के चलते कंपनियों की लागत कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा, '' जीएसटी में कमी से ग्राहकों की मदद होगी जो अर्थव्यवस्था की हालत के चलते अपनी आय को लेकर अनिश्चित हैं और कम खरीदारी की भावना से गुजर रहे हैं।

ऐसे में यह कटौती निश्चित तौर यात्री वाहन उद्योग के लिए मांग बढ़ाने में मदद गार होगी।''

## क्रोम ओएस पर डार्क मोड उपलब्ध करा रहा गूगल

**सैन फ्रांसिस्को।**

क्रोम ओएस पर कथित तौर पर डार्क मोड सुविधा दी गई है, जो आंखों के तनाव को कम करने और सामान्य पठनीयता के कारण अधिक मांग में है। गूगल के एक्सपेरिमेंटल कैनरी चैनल में स्पॉट किए गए एंड्रॉइड सेंट्रल ने बताया कि क्रोम ओएस के कैनरी वर्जन में क्रोम ओएस के डार्क मोड का एक एक्सपेरिमेंटल वर्जन है। रिपोर्ट में रविवार को कहा गया है कि यह सिर्फ गूगल के %ब्लीडिंग एज% ब्राउजर के डेवलपर मोड के जरिए एक्सेस किया जा सकता है, लेकिन ऐसा संकेत मिला है कि इसके जल्द ही व्यापक रोलआउट को लेकर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में डार्क मोड सेटिंग के भीतर कुछ बग हैं, जिसे लेकर परीक्षण किया जा रहा है। गूगल ने जीमेल और गूगल कैलेंडर सहित अपनी कई सेवाओं के लिए डार्क मोड को रोल आउट किया है, इसलिए यह क्रोम ओएस के लिए भी इसे रोल आउट करने की तैयारी में है। पिछले कुछ सालों में डार्क मोड किसी भी ओएस के लिए अधिक मांग में रहा है।

गूगल ने पिछले सप्ताह नेस्ट हब जैसे अपने सहायक-संचालित स्मार्ट डिस्प्ले के लिए डार्क मोड पेश किया।

कंपनी ने कहा, ÷डार्क थीम इंटरफेस की रंग को बदल देती है और प्रकाश उत्सर्जन को कम कर देती है, इसलिए यह रात में आंखों के लिए सहज होता है।÷

## अपनी प्राइवेसी पॉलीसी पर काम कर रहा फेसबुक

**सैन फ्रांसिस्को।** यूजर्स की गोपनीयता और डेटा सुरक्षा को लेकर गहन जांच का सामना कर रहे फेसबुक ने कहा कि वह नियमित तौर पर अनुसंधान और इनोवेशन में निवेश करना जारी रखेगा, जिससे प्राइवेसी व सुरक्षित उत्पाद बनाने और डेटा को प्रोसेस करने के नए तरीके विकसित होने में मदद हो सके। गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि फेसबुक को लक्षित करने वाला एक फेडरल एंटीट्रस्ट जांच अपने अंतिम चरण में है और यूएस फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) के सदस्यों ने एजेंसी के आयुक्तों को एक सिफारिश की है कि क्या वह फेसबुक के खिलाफ एक अविश्वास प्रस्ताव दायर कर सकते हैं या नहीं। इसके बाद ही फेसबुक ने बयान जारी किया है। फेसबुक ने शुक्रवार को कहा कि वह ÷नीति निर्माताओं, प्राइवेसी विशेषज्ञों और उभरते प्राइवेसी क्षेत्रों में अन्य लोगों के साथ काम करना जारी रखेगा, क्योंकि हम लोगों को हमारे उत्पादों का उपयोग करने के दौरान सुरक्षित और आरामदायक महसूस करने के लिए समाधान का निर्माण करते हैं।÷ फेसबुक ने कहा कि, उसने पिछले कई महीनों में पब्लिक ग्रुप में बदलाव किया है और फेसबुक और इंस्टाग्राम, फेसबुक कैंपस और अकाउंट्स सेंटर पर दुकानें जैसे नए उत्पादों का निर्माण किया है। प्रोडक्ट के चीफ प्राइवेसी ऑफिसर मिशेल प्रोट्टी ने कहा, ÷फेसबुक पर कई टीमों के प्रभावी सहयोग के लिए धन्यवाद, ये प्रोडक्ट लोगों को अपनी प्राइवेसी का सम्मान करते हुए, सबसे अच्छा अनुभव देने में सफल हुए हैं।÷

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मां, बेटी एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं।

# मां-बेटी का रिश्ता है सबसे खास

मां, बेटी की हर जरूरत को समझती है। उसकी परेशानियां, खुशियां, इच्छाओं को भला मां से बेहतर कौन जानेगा? पर ऐसा नहीं है कि बेटी इस मामले में कहीं पीछे हैं। वे भी मां की परछाई ही होती हैं। मां का सबसे ज्यादा ख्याल बेटी ही रखती है। दरअसल ये एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं। बस जरूरत है दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखने की-

## माएं ये ध्यान रखें

- आप पढ़ाई में अव्वल रही होंगी, पर बेटी को अपना उदाहरण देकर उसके मन में असंतोष को जन्म न दें। उसकी कक्षा की कुछ लड़कियां भी उससे पढ़ाई में आगे हो सकती हैं, उनसे तुलना न करें। हर बच्चा अपने में असाधारण हैं। तुलना उसके मन में नाराजगी और कुंठा को जन्म दे सकती है।
- सिर्फ पढ़ाई पर जोर नहीं होना चाहिये। उसके व्यक्तित्व के बहुआयामों को समझने के लिये उसे हर विधा आजमाने का मौका जरूर दें। नृत्य, संगीत, कला, खेल। आप तो उसके अंदर छुपे कलाकार से चमत्कृत हो ही जाएंगी, आप उसे भी अनगिनत खुशियां दे पाएंगी।
- उसकी भी समस्याएं हैं, पर समस्याओं को समस्या कहकर न पूछें। 'आज क्या-क्या हुआ' पूछ कर आप पूरे दिन की जानकारी रुचिपूर्वक सुनें। इतना थोड़ा सा समय देकर आप शायद उसकी सबसे अच्छी मित्र बन जाती हैं। साथ ही मित्रों से, टीचर्स के साथ आप उसके रिश्तों को भी पहचान पाती हैं, जो आज बहुत जरूरी है। यदि बच्चों की पूरी दिनचर्या को मां एकाग्रचित्त हो कर सुनें तो कई बार उनके बाल जीवन की परेशानियों और संभावित दुर्घटनाओं को रोक सकती हैं।
- बेटी से नाराज होकर कभी भी सार्वजनिक स्थल पर या घर के अंदर भी अतिथियों के सामने उस पर अपना रोष व्यक्त न करें। आप उसे अपनी नाराजगी का अहसास फिर कभी करवा सकती हैं, जैसे बातचीत सीमित करके या स्पष्ट रूप से, पर शांतिपूर्वक अपनी बात कहकर।
- आपका दिमाग कभी-कभी बड़ा अशांत हो उठता है, घर या बाहर की परिस्थितियों से। अपनी परिस्थितियों में घुटिये नहीं, बल्कि बिटिया को साझी बनाइये। परिस्थितियां बदल तो नहीं जाएंगी, पर उसका साथ आपमें एक नई हिम्मत और ऊर्जा देगा। बेटी के लिये मां से ऊंचा कोई दूसरा आदर्श नहीं होता, इसलिए मां को कभी भी स्थितियों से हार नहीं माननी चाहिये, क्योंकि वही संदेश आपकी बेटी ग्रहण करेगी। आपका दृष्टिकोण ही उसका जिन्दगी के प्रति नजरिया तय करेगा।

## बेटी का फर्ज है ये..

- मां, घर में रहें या बाहर, वह दिन भर काम ही करती हैं। ऐसे में यदि बिटिया अपने हाथों से मां को चाय की प्याली या जूस का गिलास पकड़ाए, तो मां का मन खुश हो उठता है।
- आपको स्कूल में या कॉलेज में एक वातावरण मिलता है, उसका अपना असर होता है, जबकि घर में मां कुछ दूसरी बात कहती नजर आती है, ऐसे में सामंजस्य मुश्किल हो जाता है। पर ध्यान रहे कि मां के ऊपर आप अपना गुस्सा न निकालें। मां को समझाइये कि क्यों आप मां का चाहा या सोचा नहीं कर पा रहीं। ज्यादा उम्मीद है कि मां आपकी बात समझ जाये और अपनी इच्छा न मनवाये।
- कभी-कभी मां को ऑरगेनाइज होने में मदद करिए। यदि मां की छोटी-छोटी चीजें उनके डॉक्युमेन्ट्स आप संभाल कर फोल्डर में रख दें और मां को उनकी याद दिला दें, तो मां को बहुत तसल्ली और सुकून मिलेगा।
- अपनी समस्यायें, उलझनें मां से कभी न छुपायें। मां भी तो उम्र के इस दौर से गुजर चुकी हैं, जिससे आप गुजर रही हैं। जिंदगी से तब वो कैसे रूबरू हुई थीं, आप उनके अनुभवों से सीख सकती हैं। मां को यदि आपने सब बातों से वाकिफ रखा, तो कोई समस्या या व्यक्ति आपको परेशानी में नहीं डाल सकता।
- मां को उनके बीते दिनों की याद ताजा करवायें। उनके पुराने मित्रों के फोन नम्बर खोज कर मां को दें। गुजरे हुये दिन शायद मां के सबसे अच्छे दिन रहे हों। मां को भी अहसास होगा कि उसकी बिटिया उससे अलग नहीं, बल्कि उसकी प्रतिमूर्ति है, मन ही मन वह आपकी कृतज्ञ रहेगी और आपका यह कदम आप दोनों को और भी जोड़ेगा।

# जब घर से ही शुरू हो प्रोफेशनल लाइफ

**नौकरी छोड़कर घर से ही काम शुरू करने का निर्णय लेना आसान काम नहीं है। आपमें से कई ऐसा करना चाहती होंगी और कई कर भी चुकी होंगी। पर इस कठिन निर्णय को अपनाने से पहले आपको कई बातों का ध्यान रखना होगा।**

मैं हमेशा से चाहती थी, मेरी एक ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट हो। सारा काम लैपटॉप और फोन के सहारे बढ़े, न ही कोई खास जगह की जरूरत और न ही किसी के लिए नौकरी करने की। मेरा करियर तो बस मेरे हाथ में होगा।'

30 साल की श्वेता ने दो महीने पहले अपनी वेबसाइट लॉन्च के मौके पर दोस्तों से वही सब कहा जो वह सालों से चाहती थी। पर अपना यह सपना पूरा करने के लिए उसने अपने पहले सपने को पीछे छोड़ दिया। सपना नौकरी करने का, जी हां, घर से अपना काम शुरू करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी। पर श्वेता मानती हैं नौकरी छोड़ घर से कोई भी काम करने से पहले बहुत सी चीजों के लिए खुद को तैयार कर लेना चाहिए। क्योंकि नौकरी छोड़ते ही जिंदगी में अचानक से बहुत कुछ बदल जाता है। सबसे पहली चीज तो लाइफस्टाइल ही होती है। और क्या-क्या रखें याद, आइए जानते हैं-

## खुद से पूछें कुछ सवाल

नौकरी छोड़ कर घर से काम शुरू करने का निर्णय छोटा नहीं है। याद रखना होगा आप अपने निर्णय में सफल नहीं हुईं तो दोबारा सफलता की सीढियां आपके रास्ते में यों ही नहीं आ जाएंगी। तो रास्ता बदलने से पहले खुद से कुछ सवाल जरूर पूछें, जैसे

क्या ऑफिस के माहौल को छोड़ अकेले घर पर बैठकर खुद के लिए काम करने के लिए आप तैयार हैं?

क्या जो काम आप घर से शुरू करने जा रही हैं, उसे करने के निर्णय पर आप लंबे समय तक टिकी रह पाएंगी?

काम से जुड़ी सारी जानकारी आपके पास है या पहले ट्रेनिंग लेना सही रहेगा?

आपके मनपसंद काम को आपके आसपास वालों द्वारा सराहे जाने की संभावना कितनी है?

घर से काम करने पर भी परिवार आपके प्रोफेशन को नौकरी जितनी ही महत्ता देगा या नहीं?

## करना क्या है?

क्या करना है और कैसे करना है? इस सवाल का जवाब आपके पास होना चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया की एक साफ तसवीर आपके दिमाग में होगी, तो आपका मन इस पर आसानी से फोकस भी कर पाएगा।

## दिक्कतों से होगा सामना

घर से काम करने में भी आपको चुनौतियों का सामना करना होगा, इसलिए इनसे निपटने का फुलप्रूफ प्लान आपके पास होना चाहिए। यह बहुत साफ सी बात है कि दिक्कतें तो हर काम में आती ही हैं, पर इनसे बखूबी निपटने वाले ही सफल होते हैं। अगर आपने अपने काम पर पूरी रिसर्च की होगी ,तो आपको दिक्कतों का अंदाजा तो होगा ही। मतलब किस स्थिति में कैसी दिक्कत आ सकती है, यह आप जानती होंगी। अगर नहीं, तो इसकी जानकारी जरूर लें और इनसे निपटने के विकल्पों पर भी पहले से गौर कर लें।

## आर्थिक रूप से सक्षम हैं ना?

आप सालों से कमा रही हैं। हर महीने कमाई का बड़ा हिस्सा भविष्य के लिए जमा कर रही थीं। पर क्या यह इतना है कि आगे का एक बड़ा समय ठीक से, आसानी से बिना किसी आर्थिक किल्लत के कट जाए? सवाल के जवाब में अगर आप हां कहती हैं, तो ठीक है। पर जवाब न है, तो नौकरी छोड़ कर घर से काम करने के फैसले पर जरा दोबारा विचार कर लीजिए। यह जरूरी नहीं है कि नए काम में कमाई तुरंत ही होने लगे।

## शुरू में ही न करें बड़ा निवेश

भले ही आपने एक अच्छी राशि भविष्य के लिए रख ली है, पर याद रखें कि शुरुआत में ही एक बड़ी राशि अपने नए काम में निवेश न करें। यह एक बड़ा रिस्क हो सकता है। अगर परिणाम नकारात्मक हुआ तो आपको निराशा तो होगी ही, पैसा डूबेगा वो अलग।

## जान-पहचान तो हैं ना?

आपने जिस भी काम को घर से करने के बारे में सोचा है उससे जुड़े लोगों से आपकी जान-पहचान तो है ना? मतलब काम शुरू करने के पहले आपको पूरी तरह से तैयारी करनी होगी। नौकरी छोड़ने के बाद अगर जीरो लेवल से काम शुरू करेंगी तो आपको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

## धैर्य से दोस्ती कर लीजिए

खुद को इतना बड़ा ब्रेक देने से पहले आपको धैर्यवान बन जाना होगा। हालांकि अच्छे की आशा करनी चाहिए, पर बुरे समय या अच्छे समय के इंतजार के लिए तैयार रहना ही समझदारी है। कुछ ही दिनों में आपके धैर्य की परीक्षा भी होगी, पर सफल होना है, तो इस धैर्य का दामन आपको थामकर रखना होगा।

## अगर असफल रहीं तो

अगर एक नया काम शुरू कर रही हैं तो सफलता और असफलता दोनों की ही संभावना बराबर की है। इसलिए अगर असफल रहीं तो क्या करेंगी, यह जरूर सोच लें। प्लान बी आपके पास पहले से तैयार रहेगा तो आप आनेवाली चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगी।

# तुम अपने दोस्त जितने अच्छे क्यों नहीं!

**दूसरे बच्चों के साथ तुलना करने के चक्कर में अक्सर माता-पिता अपने बच्चे को निकम्मा, नकारा व नासमझ घोषित करने में लगे रहते हैं, इस बात की परवाह किए बिना कि उनके ये ताने बच्चे के आत्मविश्वास पर क्या असर डालते हैं।**

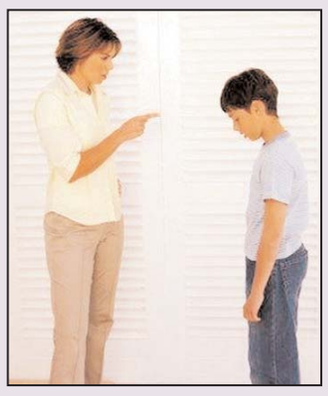

रीटा अपने आठ साल के बेटे मोंटू को छोटी-छोटी बातों पर डांटती रहती है। उसके नंबर कम आते हैं तो वह कहती है, 'तुम जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे। दूसरे बच्चों को देखो कितने अच्छे अंक लाते हैं। मोंटू के हाथ से कभी कोई गिलास या कप गिर जाता है तो रीटा उसे डांटते हुए कहती है, 'तुम एक काम ठीक से नहीं कर सकते।' इस प्रक्रिया में रीटा कभी यह सोचने की कोशिश नहीं करती कि मोंटू की मानसिकता पर इन सबका क्या असर पड़ता है। वह बस यही चाहती है कि उसका बच्चा उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरे और हर चीज में परफेक्ट हो। रीटा की अपेक्षाएं भी कम नहीं हैं। वह चाहती है कि उनका बेटा स्कूल में टॉपर हो और खेलों में चैम्पियन। पर क्या इस तरह के दबावों और नकारात्मक माहौल में बच्चा सचमुच बेहतर काम कर सकता है? जवाब होगा नहीं।

## कहीं आपकी अपेक्षाएं तो ज्यादा नहीं!

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ अरुणा कहती हैं, 'बच्चों के साथ इस तरह का नकारात्मक व्यवहार करने से उनकी मनःस्थिति पर बुरा असर पड़ता है। वे अपने माता पिता से नफरत करना शुरू कर देते हैं। बच्चे सोचते हैं कि हम कुछ भी कर लें लेकिन माता पिता को हमें दोष देना ही है, फिर कुछ करने का फायदा क्या है। साथ-साथ बच्चों में यह धारणा भी पुख्ता होने लगती है कि वे सचमुच जीवन में कुछ नहीं कर पायेंगे। उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है। बच्चे खुद को हीन समझने लगते हैं। इन सबका प्रभाव बच्चे में अवसाद, गुस्सा और नर्वसनेस के रूप में दिखने लगता है, जो उनके पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।'

विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता बस यही चाहते हैं कि बच्चे उनकी अपेक्षाओं और सपनों को पूरा करें। अभिभावक ये भी नहीं सोचते कि उन्हें बच्चे की योग्यता के अनुसार ही उससे कुछ अपेक्षा रखनी चाहिए। बच्चे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रखने की बजाय उसे लगातार प्रेरित और उत्साहित करते रहना चाहिए। उसकी कोशिशों को अहमियत देनी चाहिए और उसे समझाना चाहिए कि हमें कुछ भी पाने की लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। शुरुआती स्तर पर बच्चे के आत्मविश्वास को विकसित होने का भरपूर मौका व परिवेश देना चाहिए।

## हर समय जबर्दस्ती अच्छी नहीं

माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा काबिल बने, पर इसके लिए बच्चों पर अनावश्यक बोझ डालना समझदारी नहीं है। बच्चों को सक्रिय और ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना अच्छा तो है, लेकिन बच्चे के साथ जबर्दस्ती करना ठीक नहीं है। इससे बच्चा बोझिल होने लगता है और वह हर काम को बोझ समझने लगता है। वह किसी भी काम को मन लगाकर नहीं करता। इससे उसकी फोकस क्षमता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

## कहीं आपको ही तो काउंसलिंग की जरूरत नहीं!

डॉ अरुणा मानती हैं, 'यदि मां-बाप बच्चों से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो ये मां-बाप का अपरिपक्व व्यवहार है। जरूरत से अधिक अपेक्षा रखना बच्चे के सहज विकास की प्रक्रिया को रोक देता है। इससे बच्चे की अपने परिवेश को सीखने-समझने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसी प्रक्रिया में बच्चों की काउंसलिंग की जगह मां-बाप को अपनी काउंसलिंग और एंगर मैनेजमेंट को सीखने की जरूरत है। ऐसी किसी भी स्थिति से निबटने के लिए माता-पिता को बिना किसी संकोच के काउंसलर या मनोचिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। इससे उन्हें एक ओर जहां पेरेंटिंग के बारे में कुछ नयी चीजें सीखने को मिलेंगी, वहीं दूसरी आपके इन प्रयासों का बच्चों पर भी सकारात्मक असर दिखाई पड़ेगा।'

## खुद में बदलाव को रहें तैयार

बच्चों की गलतियों पर आप जो प्रतिक्रिया देती हैं, उस पर संयम रखना सीखें। बच्चों की छोटी-छोटी गलतियों पर उसे डांटें नहीं, बल्कि उसे प्यार और धैर्य से समझाएं। उस परंपरागत सोच से बाहर निकलें, जहां माता-पिता जो करते हैं वह सही है। समय और समाज में आए बदलावों के साथ खुद में भी बदलाव करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# आईपीएल 2020 : सनराइजर्स के खिलाफ प्लेऑफ में जगह पक्की करने को बेताब दिल्ली कैपिटल्स

दुबई। (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स पिछले दो मैचों की हार को भुलाकर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के महत्वपूर्ण मैच में जीत दर्ज करके प्लेऑफ में जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। कोलकाता नाइटराइडर्स और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ हार के बाद दिल्ली को अब अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाने के लिये दो अंक की दरकार है। इससे वह अंकतालिका में भी शीर्ष पर पहुंच जाएगा। दूसरी तरफ से सनराइजर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अगर मगर पर टिकी हैं। डेविड वार्नर की अगुवाई वाली टीम के 11 मैचों में आठ अंक हैं और वह अंकतालिका में सातवें स्थान पर है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिये उसे न सिर्फ अपने सभी मैच जीतने होंगे बल्कि बाकी मैचों में भी अनुकूल परिणाम की उम्मीद करनी होगी। दिल्ली के पास आक्रामक बल्लेबाजी ओर मजबूत गेंदबाजी है। वे किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं हैं क्योंकि अलग अलग समय पर उसके किसी खिलाड़ी ने बेहतर खेल दिखाकर टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचाया है। लेकिन पिछले तीन मैचों में शिखर धवन को छोड़कर दिल्ली के बाकी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। चेन्नई के

खिलाफ शतक जड़कर टीम को जीत दिलाने वाले धवन ने किंग्स इलेवन के खिलाफ भी सैकड़ा जड़ा लेकिन अन्य बल्लेबाजों की नाकामी से टीम को हार झेलनी पड़ी।

कोलकाता के खिलाफ दिल्ली के बल्लेबाज 194 रन के लक्ष्य के सामने दबाव में आ गये और 139 रन ही बना पाये। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी सॉव खराब दौर से गुजर रहे हैं। उनकी जगह अजिंक्य रहाणे को लिया गया लेकिन यह सीनियर बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाया। ऋषभ पंत और शिमरोन हेटमायर भी अंतिम एकादश में वापसी करने के बाद रन बनाने के लिये जूझ रहे हैं। गेंदबाजी में दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा (23 विकेट) ओर एनरिच नोर्जे (14 विकेट) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। तुषार देशपांडे और रविचंद्रन अश्विन ने हाल के मैचों में गलतियां की लेकिन अक्षर पटेल ने किफायती गेंदबाजी की है। सनराइजर्स इस मैच में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मनोबल तोड़ने वाली हार के साथ उतरेगा। उसकी टीम पिछले मैच में 127 रन के छोटे लक्ष्य को हासिल करने में भी नाकाम रही थी। सलामी बल्लेबाज वार्नर और जॉनी बेयरस्टॉ के आउट होने के बाद मैच का पासा पलट गया था। इस पूर्व चैंपियन ने आखिरी दो ओवरों में पांच विकेट गंवाये और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। टीम बल्लेबाजी में बेयरस्टॉ, वार्नर और मनीष पांडे पर बहुत अधिक निर्भर है।

विजय शंकर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन पंजाब के खिलाफ वह इसे नहीं दोहरा पाये थे। जैसन होल्डर को शामिल करने से उसकी गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनके गेंदबाजों ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया और वार्नर आगे भी उनसे ऐसे खेल की उम्मीद कर रहे होंगे। सनराइजर्स इससे पहले टूर्नामेंट में दिल्ली को हरा चुका है।

# अलेक्सांद्र जेवरेव ने कोलोन टेनिस चैंपियनशिप का 13वां खिताब किया अपने नाम

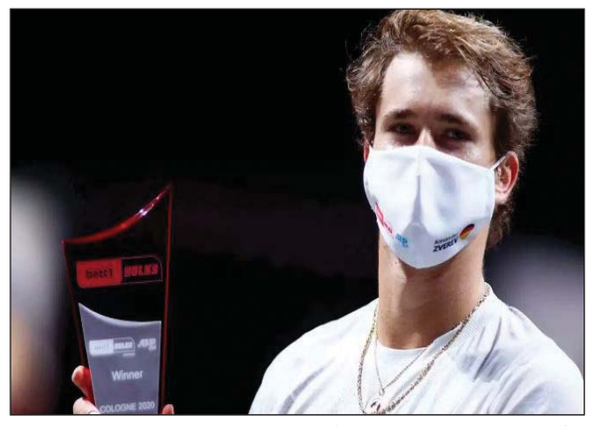

कोलोन (जर्मनी)। (एजेंसी)

अलेक्सांद्र जेवरेव ने कोलोन टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में डिएगो श्वार्टजमैन को 6-2, 6-1 से हराकर अपना लगातार दूसरा एटीपी टूर खिताब जीता। जेवरेव ने नौ ऐस जमाये और एक ब्रेक प्वाइंट बचाया। उन्होंने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले श्वार्टजमैन की पांच बार सर्विस तोड़ी। पहला सेट 38 मिनट जबकि दूसरा सेट केवल 33 मिनट तक चला। यह जेवरेव का कुल मिलाकर 13वां खिताब है। उन्होंने पिछले सप्ताह एटीपी इंडोर खिताब जीता था।

यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले इस खिलाड़ी ने तीसरी बार लगातार दो एटीपी खिताब जीते हैं। जेवरेव ने इससे पहले अगस्त 2017 में वाशिंगटन और मांट्रियल तथा पिछले साल मई में म्यूनिख और मैड्रिड में लगातार खिताब जीते थे। इस जर्मन खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह फेलिक्स आगुर एलियासीमे को हराकर कोलोन इंडोर खिताब जीता था। ये दोनों टूर्नामेंट एक ही स्थान पर खेले गये।

# आईपीएल के इतिहास में पहली बार प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुई धोनी की सीएसके टीम

दुबई। (एजेंसी)

राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियन्स पर आठ विकेट की जीत से तीन बार का चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स पिछले 13 वर्षों में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की दौड़ से बाहर हो गया। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम ने 2008 के बाद जिन 10 आईपीएल में भाग लिया था उनमें वह प्लेऑफ में जरूर पहुंची थी लेकिन इस बार टूर्नामेंट में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। चेन्नई ने रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ आठ विकेट से जीत दर्ज की थी लेकिन बाद में दूसरे मैच में रॉयल्स ने मुंबई को हराकर धोनी की टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की धुंधली उम्मीद भी समाप्त कर दी।

आरसीबी पर जीत से चेन्नई के 12 मैचों में आठ अंक हो गये हैं लेकिन अपने आखिरी दो मैच जीतने पर भी वह अधिकतम 12 अंक ही हासिल कर सकता है और यह प्लेऑफ में पहुंचने के लिये पर्याप्त नहीं होंगे। अंकतालिका में मुंबई, दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के समान 14 अंक हैं जबकि

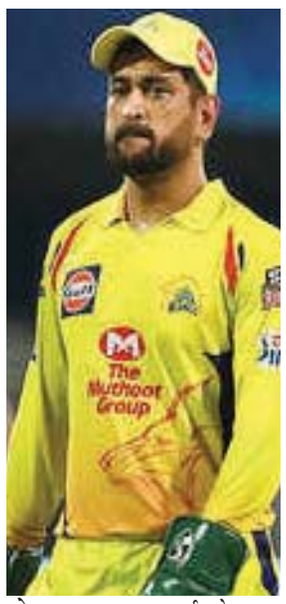

कोलकाता नाइटराइडर्स के 12 अंक हैं और उसे तीन मैच खेलने हैं। किंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान के 10-10 अंक हैं और उनके क्रमशः तीन और दो मैच बचे हैं। धोनी ने रविवार को आरसीबी पर जीत के बाद कहा था, ''अगर गणितीय समीकरणों को एक तरफ रख दिया जाए तो हमारी प्लेऑफ में पहुंचने की कोई संभावना नहीं है।'' चेन्नई ने 2010, 2011 और 2018 में खिताब जीता था।

# आईपीएल 2020 : आरसीबी की हार पर वीरेंद्र सहवाग ने ली चुटकी, कहा- विराट, डिविलियर्स के होने पर भी 'कोमा' में थी बैंगलोर की बैटिंग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने रविवार को दुबई में खेले गए आईपीएल मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की खराब बल्लेबाजी पर चुटकी ली। सोशल मीडिया पर अपने शो 'वीरू की बैठक' के ताजा एपिसोड में सहवाग ने कहा कि कप्तान विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की पारी को छोड़ दिया जाए, तो ऐसा लगा कि चेन्नई के खिलाफ आरसीबी की बैटिंग कोमा में चली गई थी।

चेन्नई के खिलाफ बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। विराट ने इस सत्र का अपना तीसरा अर्धशतक जमाया और 43 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाकर पांचवें बल्लेबाज के रूप में 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। विराट का कीमती विकेट सैम करेन ने लिया।

विराट और एबी डिविलियर्स ने तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। डिविलियर्स ने 36 गेंदों पर 39 रन में चार चौके लगाए। ओपनर देवदत्त पड़ीक्कल ने 21 गेंदों पर 22 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया। आरोन फिंच ने 11 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 15 रन बनाए। देखा जाए, तो कोहली और डिविलियर्स को छोड़ कोई भी बल्लेबाज चेन्नई के खिलाफ रन बनाने में नाकाम रहा।

सहवाग ने अपने वीडियो में कहा, 'मैंने

कल कहा था कि अगर बैंगलोर यह मैच हार जाए तो ताज्जुब मत करना, लेकिन आपने मुझे गंभीरता से नहीं लिया। आप यही कहते रहे कि मैं मजाक कर रहा हूं। खैर, कल का असली मजाक चीकू (विराट कोहली) थे।' इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'बैंगलोर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अच्छी शुरुआत भी हुई, लेकिन यह क्या? डिविलियर्स और कोहली ने सातवें ओवर से साथ खेलना शुरू किया और 18वें ओवर तक उनकी बल्लेबाजी कोमा में थी। मैंने बैंगलोर की पारी के बीच में एक झपकी (पावर नैप) भी ली। मैं जब जागा, वे दोनों तब भी खेल ही रहे थे।'

सुपर किंग्स ने सैम करेन (19 रन पर तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन और रुतुराज गायकवाड़ (नाबाद 65) के बेहतरीन अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को रविवार को आईपीएल मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया। चेन्नई ने बेंगलोर को 20 ओवर में छह विकेट पर 145 रन पर रोकने के बाद 18.4 ओवर में दो विकेट पर 150 रन बनाकर आसान जीत हासिल कर ली। गायकवाड़ ने छक्का मारकर मैच समाप्त किया। गायकवाड़ ने 51 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से मैच विजयी नाबाद 65 रन बनाए।

# खो-खो संघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को उम्मीद, सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिलने से बढ़ेगी खो-खो की लोकप्रियता

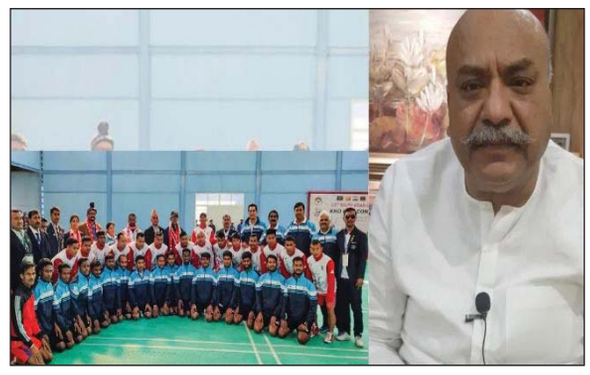

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने सोमवार को उम्मीद जतायी है कि अन्य खेलों की तरह इस खेल से जुड़े खिलाड़ियों को भी सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद यह पारंपरिक खेल देश में अधिक लोकप्रियता हासिल करेगा। मित्तल ने देश में स्वदेशी खेलों को करियर विकल्प के रूप में मान्यता दिये जाने के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री किरेन रीजीजू का आभार भी व्यक्त किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के भी उपाध्यक्ष मित्तल ने कहा, ÷ मैं खो-खो को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री किरेन रीजीजू का आभार व्यक्त करता हूं। पहले सरकारी नौकरियों के लिए (खेल कोटे में) खो-खो पर विचार नहीं किया जाता था, लेकिन अब खो-खो खिलाड़ियों को भी इस योजना के तहत नौकरी मिल सकती है। और इसका श्रेय केंद्र सरकार को जाता है।''

उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, इसलिए, खिलाड़ी अब सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि इस तरह के प्रेरक कदम भारत में खेल को बढ़ावा देंगे। खो-खो महासंघ जल्द ही इंडियन प्रीमियर लीग और कबड्डी लीग की तर्ज पर खो-खो लीग के आयोजन पर विचार कर रहा है और मित्तल को उम्मीद है कि अपनी तेजी और स्फूर्ति के कारण यह लोकप्रियता हासिल करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, ''लीग अब हर खेल में हो रही है। क्रिकेट के बाद, लोगों ने कबड्डी लीग को काफी सराहा है। कबड्डी की तरह ही खो-खो में भी गति शामिल है। लोगों को यह बहुत पसंद आएगी। हमारी लीग 21 नवंबर से शुरू होने वाली थी, लेकिन कोविड-19 के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। हम जल्द ही नई तारीखों की घोषणा करेंगे।

# बेन स्टोक्स बोले- यह शतक मुश्किल दौर में परिवार को थोड़ा खुशी देगा

**अबुधाबी।** राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने वाले इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स को उम्मीद है कि मुंबई इंडियन्स के खिलाफ उनके तूफानी शतक से न सिर्फ उनकी टीम का मनोबल बढ़ेगा बल्कि यह उनके परिवार को भी थोड़ी खुशी देगा जो उनके पिता जेड के मस्तिष्क कैंसर के कारण परेशानियों से जूझ रहा है। स्टोक्स के नाबाद 107 और संजू सैमसन की नाबाद 54 रन की पारी से रॉयल्स ने मुंबई के खिलाफ 196 रन के लक्ष्य को 10 गेंद शेष रहते हासिल कर दिया था। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 152 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, ''यह थोड़ा मुश्किल समय है। घर में मुश्किल दौर चल रहा है। उम्मीद है कि इससे उन्हें थोड़ी खुशी मिलेगी।'' न्यूजीलैंड में अपने पिता के पास होने के कारण स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाये थे। उन्हें खुशी है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ढीली शुरुआत के बाद वह अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, ''टीम के लिये ऐसी पारी खेलने में थोड़ा समय लगा। मैं दो या तीन मैच पहले इस तरह की फार्म चाहता था जब हम क्वालीफाई करने के लिये किसी अन्य के परिणाम पर निर्भर नहीं थे।

# आईपीएल के अंतिम मैचों में लगा आरसीबी को करारा झटका, टीम से बाहर हो सकता है ये बॉलर

दुबई। (एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी का इंडियन प्रीमियम लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ खेलना संदिग्ध है क्योंकि चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ रविवार को खेले गये मैच में उनका दाहिने हाथ का अंगूठा चोटिल हो गया। यह भी गौर करने वाली बात है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी जाने वाली टीम में सैनी का चयनलगभग तय है। उनके खेलने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम (बीसीसीआई) की चिकित्सा टीम की मंजूरी की जरूरत होगी। यह चिकित्सा टीम सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर नजर रखती है। चेन्नई के खिलाफ मैच के 18वें ओवर में उनके दाहिने हाथ के अंगूठे में चोट लगी थी। वह उसी समय मैदान से बाहर चले गये थे और एक सर्जन ने उनकी चोट पर पांच टांके लगाये। टीम के फिजियो इवान स्पीचले ने मैच के बाद आरसीबी टीवी से कहा, '' आखिरी (18वां

ओवर) गेंद पर चोट के कारण सैनी का अंगूठा फट गया। उन्हेंदाहिने अंगूठे पर चोट लगी। हमारे पास एक अच्छे सर्जन थे, जिन्होंने उन्हें टांके लगाये, कुल पांच टांके लगे हैं।

फिजियो ने कहा, '' ऐसे में हम आज रात उसकी निगरानी करेंगे और जांच करेंगे कि क्या वह अगले मैच के लिए तैयार हो सकता है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता लेकिन उम्मीद है कि वह अगला मैच खेलेंगे।'' स्पीचले ने कहा, '' सैनी को चोट उसी हाथ में लगी है जिससे वह गेंदबाजी करते है, इससे चोट पर काफी दबाव बनेगा।'' उन्होंने कहा, '' वह कब तक फिट होंगे इस पर अभी कुछ नहीं कहा सकता। उम्मीद है कि वह अगले मैच के साथ टूर्नामेंट के बाकी मैचों में खेल सकेंगे।'' उन्होंने कहा कि सैनी की चोट वैसी ही है जैसा आरसीबी कप्तान विराट कोहली को 2016 में लगी थी। उन्होंने कहा, '' विराट के साथ चार-पांच साल पहले कोलकाता में ऐसा हुआ था। तब हम उनके खून के बहाव को रोकने में सफल रहे थे और उन्होंने शतक (किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 113) लगाया था। लेकिन आप दो चोट की तुलना नहीं कर सकते।'' सैनी इस सत्र में आरसीबी के मुख्य गेंदबाज है जिन्होंने 7.95 प्रति ओवर के हिसाब से रन दिये है। आरसीबी की टीम दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियन्स के बाद 14 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। कोहली की टीम को बाकी बचे मैचों में मुंबई, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है।

# घुटने के बल बैठे हार्दिक पांड्या ने किया 'ब्लैक लाइव्स मैटर' का समर्थन

**अबुधाबी।** मुंबई इंडियन्स के आलराउंडर हार्दिक पंड्या घुटने के बल बैठकर वर्तमान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 'ब्लैक लाइव्स मैटर' यानि बीएलएम (अश्वेतों की जिंदगी मायने रखती है) का समर्थन करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। पंड्या ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान ऐसा किया। इस आलराउंडर ने 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन बनाये। उन्होंने 19वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया और वह एक घुटने के बल पर बैठे और उन्होंने अपना दायां हाथ उठाकर नस्लवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के प्रति अपना समर्थन जताया। वेस्टइंडीज के आलराउंडर और मुंबई के कार्यवाहक कप्तान कीरोन पोलार्ड ने अपने दायें हाथ की मुट्ठी भींचकर उनका समर्थन किया। पंड्या ने मैच के बाद अपनी तस्वीर भी ट्वीट की और उसका कैप्सन दिया 'ब्लैक लाइव्स मैटर'। सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेल रहे वेस्टइंडीज के टेस्ट कप्तान जैसन होल्डर नेआईपीएल की किसी भी टीम के इस अभियान के प्रति समर्थन नहीं दिखाने पर पिछले सप्ताह निराशा व्यक्त की थी।

# क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के पूरे बोर्ड ने दिया इस्तीफा, ओलंपिक निकाय करेगी अंतरिम समिति का गठन

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के 10-सदस्यीय निदेशक मंडल ने इस्तीफा दे दिया है जिससे देश की ओलंपिक समिति की मांग के मुताबिक इस संकटग्रस्त निकाय के अंतरिम प्रशासनिक ढांचा में बदलाव हो सकेगा। पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष ब्रेसफ्रेड विलियम्स सहित छह निदेशकों ने रविवार को एक बैठक के बाद इस्तीफा दे दिया जबकि बाकी चार ने सोमवार को पद छोड़ दिया। सीएसए ने ट्विटर पर जारी बयान में सोमवार को कहा, '' बोर्ड सदस्यों की परिषद ने विचार-विमर्श कर यह संकल्प लिया कि दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट के हित को पूरा करने के लिए सभी को इस्तीफा दे देना चाहिए, जैसा कि उन्होंने किया। सभी स्वतंत्र और गैर-स्वतंत्र निदेशकों ने अब इस्तीफा दे दिया है।'' बयान के मुताबिक, '' 25 अक्टूबर 2020 को आयोजित की गयी सदस्य परिषद की बैठक के बाद, सदस्यों ने इस्तीफा दिया और उसे स्वीकार कर लिया गया।'' दक्षिण अफ्रीका में दो नवंबर को घरेलू सत्र शुरू हो रहा है जिससे पहले बोर्ड को इस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इंग्लैंड की पुरूष टीम को भी अगले महीने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना है। दक्षिण अफ्रीका खेल महासंघ और ओलंपिक समिति (एसएएससीओसी) के निर्देश के अनुसार एक अंतरिम संचालन समिति को सीएसए के प्रभारी के रूप में रखे जाने की संभावना है। फिलहाल के लिए रिहान रिचर्ड्स क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की गतिविधियों का संचालन करेंगे। रविवार को उन्हें नये पद, 'देश की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था - सदस्य परिषद' के अध्यक्ष के तौर पर चुना गया। उनका चयन मान्यता प्राप्त 14 प्रांतीय बोर्ड के अध्यक्षों ने किया। इससे पहले देश के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री (डीएसएसी) नथी मथेथवा ने प्रशासन में गतिरोध खत्म करने के लिए सरकार के हस्तक्षेप की घोषणा की थी जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका क्रिकेटर्स संघ

(एसएसीए) ने सीएसए के निदेशक मंडल (बोर्ड आफ डायरेक्टर्स) से सामूहिक इस्तीफे की मांग की थी। नये प्रशासनिक ढांचे के गठन के बाद सीएसए में सरकार का हस्तक्षेप रुक सकता है क्योंकि वह दक्षिण अफ्रीका खेल महासंघ और ओलंपिक समिति एसएएससीओसी के साथ काम करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### अमेरिका और ताईवान की हथियार डील पर चीन का एक्शन! लगाएगा अमेरिकी कंपनियों पर बैन

बीजिंग। चीन बोइंग और लॉकहीड मार्टिन समेत अमेरिकी कंपनियों पर विरोधी ताइवान को हथियारों की आपूर्ति करने को लेकर प्रतिबंध लगाएगा। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि रेथियॉन भी प्रभावित होगी। उन्होंने यह विवरण नहीं दिया कि क्या पाबंदियां लगाई जा सकती हैं और कब। चीन और ताइवान 1949 के गृहयुद्ध में विभाजित हो गए थे और उनमें कोई कूटनीतिक रिश्ता नहीं है। चीन दावा करता है कि लोकतांत्रिक नेतृत्व वाला द्वीप उसके मुख्य भू-भाग का हिस्सा है और उस पर आक्रमण की धमकी देता है। झाओ ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, फ्राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये चीन ने अमेरिका की उन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जो ताइवान को हथियारों की आपूर्ति में संलिप्त थीं।

### न्यूयॉर्क के एक पुलिस अधिकारी ने लगाए 'ट्रंप 2020' के नारे, बिना वेतन किया गया निलंबित

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क पुलिस डिपार्टमेंट (एनवाईपीडी) ने रविवार को कहा कि उसने अपने एक अधिकारी को एक वीडियो में गश्ती वाहन के लाउडस्पीकर से 'ट्रंप 2020' बोलते नजर आने के एक दिन के बाद बिना वेतन के निलंबित कर दिया है। विभागीय नियमों के उल्लंघन के आरोप में उसे निलंबित किया गया है। पुलिस विभाग ने कहा कि यह निलंबन तत्काल प्रभावी है और घटना की जांच जारी रहेगी। आयुक्त डरमॉट शिया ने ट्वीट किया कि अधिकारी का व्यवहार '100 प्रतिशत अस्वीकार्य है।' उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का काम राजनीति से प्रभावित नहीं होना चाहिए। निलंबित किये गए पुलिसकर्मी का नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है। मेयर बिल डी ब्लासियो ने त्वरित कार्रवाई का वादा करते हुए ट्वीट किया, 'ड्यूटी पर रहने के दौरान किसी राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ाने वाले एनवाईपीडी अधिकारी को इसका अंजाम भुगतना होगा।' विभाग के गश्त के नियमों में अधिकारियों को किसी राजनीतिक उम्मीदवार का प्रचार करने या सार्वजनिक रूप से उम्मीदवारों के बारे में वर्दी या ड्यूटी पर रहने के दौरान अपनी व्यक्तिगत राय देने की मनाही है। वीडियो में पुलिसकर्मी 'ट्रंप 2020' कहते सुना जा रहा है। वह सड़क पर किसी व्यक्ति पर टिप्पणी कर रहा था जो उसका वीडियो बना रहा था। पुलिसकर्मी ने कहा, 'इसे यू-ट्यूब पर डाल देना। इसे फेसबुक पर दिखाना। ट्रंप 2020'।

### पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर, मरीजों की संख्या 10,000 के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के खतरे के बीच देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 10,000 के पार हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 77 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 3,26,602 पहुंच गई। मंत्रालय ने बताया कि अब तक 3,11,075 लोग ठीक हुए हैं, जबकि 6,739 लोगों की मौत हुई है। पिछले एक दिन में तीन मरीजों की मौत हुई है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या 10,788 है। सितंबर में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 6,000 से नीचे चले जाने के बाद पिछले कुछ हफ्तों में संक्रमण के मामलों में इजाफा हुआ है। 31 अगस्त को संक्रमित होने की दर भी घटकर 1.28 हो गई थी, लेकिन अब यह 2.78 हो गई है। सिंध में कुल 1,43,836 मामले आ चुके हैं, जबकि पंजाब में 1,02,875, खैबर-पख्तूनख्वा में 39,043, इस्लामाबाद में 19,012, बलूचिस्तान में 15,819, गिलगित-बाल्टिस्तान में 4,180 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 3,846 मामले सामने आए हैं। देश में अब तक कुल 42,90,545 जांच की गई हैं, जिनमें पिछले 24 घंटों में हुईं 26,492 जांच शामिल हैं। शीर्ष अधिकारी बार-बार आगाह कर रहे हैं कि आने वाली सर्दियों में मामले बढ़ सकते हैं और लोगों को कोरोना वायरस की दूसरी लहर के खतरे से बचने के लिए दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।

### हांगकांग के 12 प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग के लिए ताइवान में सैकड़ों लोगों ने निकाला मार्च

ताइपे (ताइवान)। ताइवान की राजधानी में रविवार को सैकड़ों लोगों ने हांगकांग के 12 प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग करते हुए मार्च निकाला। इन प्रदर्शनकारियों को चीनी प्रशासन ने अगस्त में गिरफ्तार किया था। ये 12 प्रदर्शनकारी कथित तौर पर अवैध रूप से नाव के जरिए ताइवान जा रहे थे, उसी दौरान चीनी अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। ये सभी चीन के दक्षिणी शहर शेनजेन में अवैध तरीके से सीमा पार करने के औपचारिक आरोप का सामना कर रहे हैं। यह क्षेत्र हांगकांग की सीमा से लगता है। शुक्रवार, शनिवार और रविवार को कई शहरों में इन प्रदर्शनकारियों की रिहाई के लिए प्रदर्शन हुए। न्यूयॉर्क, वेंकूवर से लेकर ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड तक प्रदर्शनकारियों के समर्थन में हैशटैग 12हांगकांगयूथ नाम के अभियान तले लोगों ने प्रदर्शन किए। हांगकांग के विख्यात कार्यकर्ता जोशुआ वांग और नाथन लॉ ने सोशल मीडिया पर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में मदद दी।

# अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चुनावी दावें कितने सच और झूठ? यहां जानिए



**वाशिंगटन। (एजेंसी)।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मेक्सिको दीवार के लिए भुगतान कर रहा, (पर ऐसा नहीं है).... पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य देखभाल सेवा उनकी देन है.... (नहीं ऐसा भी नहीं है)..... चीन के लोगों पर उन्होंने प्रतिबंध लगाया, यह दावा भी बिल्कुल झुठा है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प द्वारा किए गए ऐसे ही कई दावों की हकीकत कुछ इस प्रकार है- ''कोरोना वायरस''- ट्रम्प ~ सी-एसपीएएन में रविवार को कहा, '' बिना टीके के भी हम इस पर काबू पा लेंगे। यह खत्म हो जाएगा।'' उत्तरी कैरोलाइना में शनिवार को रैली में कहा, '' हम मामले कम कर रहे हैं, हम बेहतरीन काम कर रहे हैं।'' हकीकत~ अमेरिकी विश्वविद्यालय 'जॉन होपकिन्स' के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में शुक्रवार को सर्वाधिक नए मामले सामने आए और शनिवार को 83,178 नए मामले सामने आए थे। ''दीवार''- ट्रम्प~ न्यू हैम्पशायर में रैली में कहा, '' मेक्सिको इसके लिए भुगतान कर रहा है।'' उत्तरी कैरोलाइना में रैली में, '' बिल्कुल, वे इसके लिए भुगतान कर रहे हैं।'' हकीकतः अमेरिका इसके लिए भुगतान कर रहा है। मेक्सिको नहीं।

मेक्सिको सरकार नेस्पष्ट शब्दों में मना कर दिया था। मेक्सिको के राष्ट्रपति एनरिक पेना नीएनरिक पेना नीतो ने मई 2018 में इस संदर्भ में ट्वीट किया था, '' अभी नहीं और कभी नहीं।'' ''पूर्व सैनिक''- ट्रम्प~ न्यू हैम्पशायर में रैली में कहा, '' हमने 'वीए च्वाइस' को मंजूरी दी।'' उत्तरी कैरोलाइना में रैली में कहा, '' पूर्व प्रशासन ने हमारे वेटरन्स (पूर्व सैनिकों) को धोखा दिया। मैंने वीए में सुधार किया, 'वीए च्वाइस' पारित किया।'' हकीकत~उन्होंने 'च्वाइस' कार्यक्रम को पारित नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने किया था। ट्रम्प ने इसे आगे बढ़ाया। कार्यक्रम कुछ शर्तों के तहत 'वेटरन्स अफेयर्स सिस्टम' के बाहर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने की अनुमति देता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 'जो बाइडेन'- ट्रम्प- उत्तरी कैरोलाइना में एक रैली में कहा कि जब वह उप राष्ट्रपति थे, '' रूस की एक सेवानिवृत्त महिला एवं एक अमीर व्यक्ति की पत्नी ने उनको 35 लाख डॉलर दिए।'' हकीकतः उन्होंने पैसे नहीं दिए। बाइडने के बेटे हंटर के इस व्यापारिक सौदे की जांच करने वाली एक रिपब्लिकन कांग्रेस की रिपोर्ट में, हंटर बाइडेन से जुड़ी एक निवेश कम्पनी में किए गए 35 लाख डॉलर का जिक्र है। ''चीन'' ट्रम्प ~ उत्तरी कैरोलाइना में रैली में कहा, ''मैंने चीन के लोगों पर देश में आने पर प्रतिबंध लगाया है, जहां यह (वायरस) सबसे अधिक फैला था। वह मुझे 'जीनोफोबिक'(विदेशियों से नफरत करने वाला) कहते हैं। हकीकत~यह झूठ है, ट्रम्प ने कभी चीन पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया।बाइडेन ने उन्हें कभी 'जीनोफोबिक' नहीं बताया। अमेरिका में तीन नवम्बर को राष्ट्रपति पद का चुनाव है।

# अमेरिका में अब तक पांच करोड़ 87 लाख लोग डाल चुके वोट, 3 नवबंर को नहीं आ सकते परिणाम

**न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।**

अमेरिका में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में अब तक पांच करोड़ 87 लाख से ज्यादा लोग मतदान कर चुके हैं और यह संख्या 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के शुरुआती मतदान से ज्यादा है। लेकिन मेल के जरिए मतदान की अप्रत्याशित संख्या ने परिणाम जारी होने में विलंब की संभावनाएं बढ़ा दी हैं क्योंकि मतों की गिनती तीन नवंबर से ज्यादा समय तक खिंच सकती हैं। सीएनएन ने अपनी एक रिपोर्ट में अमेरिका के एडिसन रिसर्च और कैटलिस्ट के सर्वेक्षणों के आंकड़ों के हवाले से बताया है कि सर्वेक्षण का हिस्सा रहे 50 राज्यों और वाशिंगटन डीसी में अब तक 5 करोड़ 87 लाख लोगों ने मतदान किया है और मतदान के लिए अभी नौ दिन बाकी है। आंकड़े में बताया गया है कि 2016 में इस अवधि में पांच करोड़ 83 लाख लोगों ने मतदान किया था। उस साल राष्ट्रपति चुनाव के लिए जो कुल मतदान हुआ था उसमें से 42 फीसदी शुरुआती मतदान था।



वहीं सीएनएन की एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि मेल के जरिए अप्रत्याशित संख्या में मतदान के बाद भी ऐसी संभावना है कि चुनाव परिणाम की अंतिम घोषणा तीन नवंबर रात तक भी न हो पाए। सीएनएन ने मीडिया विशेषज्ञों के हवाले से बताया है कि वोटों की गिनती तीन नवंबर रात से भी ज्यादा समय 'अगली सुबह या फिर अगले दोपहर तक या उससे भी ज्यादा समय तक खिंच सकती है।' वहीं टेक्सास में 13 अक्टूबर से अब तक बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया है और विशेषज्ञों का अनुमान है कि मतों की संख्या के मामले में राज्य में इस शताब्दी में यहां हुआ मतदान अब तक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि अब तक जोपांच करोड़ 87 लाख लोगों ने मतदान किया है, इनमें से 54 फीसद मतदान बेहद कड़े मुकाबले वाले राज्यों में हुआ है।

# नहीं थम रही दो देशों की लड़ाई! आर्मीनिया, आजरबैजान ने एकदूसरे पर लगाए संघर्षविराम उल्लंघन के आरोप



**येरेवान। (एजेंसी)।**

आर्मीनिया और आजरबैजान ने सोमवार को एक दूसरे पर एक दिन पहले घोषित नए संघर्षविराम के उल्लंघन करने के आरोप लगाये। इस संघर्षविराम का उद्देश्य नागोर्नो-काराबाख को लेकर जारी लड़ाई को रोकना है जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। संघर्षविराम सोमवार सुबह लागू हुआ और इस पर अमेरिका के सहयोग से हुई वार्ता के बाद रविवार को सहमति बनी थी। यह इस संघर्ष को रोकने की दिशा में दीर्घकालिक संघर्षविराम का एक तीसरा प्रयास है। इससे पहले रूस की मध्यस्थता से दो बार लागू संघर्षविराम तब टूट गया था जब दोनों ओर के बलों ने एकदूसरे पर समझौते के उल्लंघन के आरोप लगाये थे।

आजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि आर्मीनियाई बलों ने आजरबैजान की बस्तियों और पूरे मोर्चे पर आजरबैजान की सेना के साथ ही आर्मीनियाई-आजरबैजान सीमा पर छोटे हथियारों, मोर्टार और तोपों का इस्तेमाल करते हुए गोलाबारी की। आर्मीनियाई सैन्य अधिकारियों ने आरोपों को खारिज किया और उलटे आजरबैजानी बलों पर नागोर्नो-काराबाख के उत्तरपूर्वी क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों पर गोलाबारी करने का आरोप लगाया। नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र आजरबैजान में स्थित है, लेकिन इस पर 1994 से आर्मीनिया समर्थित आर्मीनियाई जातीय समूहों का नियंत्रण है। हाल की लड़ाई 27 सितंबर से शुरू हुई थह जिसमें भारी तोपखाने, रॉकेट और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं। नागोर्नो-काराबाख अधिकारियों के अनुसार, अब तक की झड़पों में उनके 974 सैनिक और 37 नागरिक मारे गए हैं। अरजरबैजान के प्राधिकारियों ने अपने सैन्य नुकसान का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कहा है कि लड़ाई में 65 नागरिकों की मौत हो गई है और 300 घायल हुए हैं।

# 2+2 वार्ता से पहले बोला अमेरिका, 'क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति के रूप में उभरते भारत का स्वागत करते हैं'

**वाशिंगटन। (एजेंसी)।**

अमेरिका क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति के रूप में उभरते भारत का स्वागत करता है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से नयी दिल्ली में 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले यह कहा गया। उसने यह भी कहा कि भारत के एक जनवरी 2021 से शुरू हो रहे यूएनएससी के कार्यकाल के दौरान अमेरिका उसके साथ काम करने को लेकर भी उत्सुक है। भारत और अमेरिका के बीच नयी दिल्ली में होने जा रही तीसरी 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले विदेश मंत्रालय की ओर से एक फैक्ट शीट में कहा गया, '' भारत के एक क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति बनकर उभरने का अमेरिका स्वागत करता है।

अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के आगामी कार्यकाल के दौरान उसके साथ निकटता से काम करने को भी उत्सुक है।'' अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ अपने भारतीय समकक्षों क्रमश~ राजनाथ सिंह तथा एस. जयशंकर के साथ 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक करेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि एस्पर और पोम्पिओ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे और अमेरिका-भारत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के बारे में सरकारी और कारोबारी जगत के अगुआओं से भी बात करेंगे। फैक्ट शीट में विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों और स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत के लिए प्रतिबद्धता पर निर्मित मजबूत तथा बढ़ते द्विपक्षीय संबंध हैं।

### तीन चरणों में कोविड-19 टीके 'ब्रिलाइफ' का होगा मानव परीक्षण, 30,000 से अधिक स्वयंसेवक लेंगे हिस्सा

यरूशलम। 'इजराइल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल रिसर्च' (आईआईबीआर) द्वारा कोविड-19 के लिए विकसित किए गए टीके 'ब्रिलाइफ' का मानव पर परीक्षण स्वास्थ्य मंत्रालय और हेलसिंकी समिति से सभी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद एक नवम्बर से शुरू किया जाएगा। इज़राइल के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हेलसिंकी समिति अनुसंधान अनुमोदन और मानव प्रयोगों से संबंधित है। मानव पर परीक्षण की प्रक्रिया के तीन चरण हैं, जिनमें 30,000 से अधिक स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और इसके 2021 मध्य तक चलने का अनुमान है। इसके बाद ही लोगों के लिए यह टीका उपलब्ध हो पाएगा। परीक्षण एक नवम्बर से दो प्रतिभागियों के साथ शुरू होगा। उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर, टीके को धीरे-धीरे कुल 80 स्वयंसेवकों, प्रत्येक चिकित्सा केन्द्र में 40 को यह टीका दिया जाएग। रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने कहा, '' आईआईबीआर के शोधकर्ताओं की वजह से इज़राइल के नागरिकों के लिए यह उम्मीद का दिन है। दो महीने पहलेटीके की पहली बोतल मिली थी। आज हमारे पास 25,000 खुराक हैं और परीक्षण का अगला चरण शुरू किया जा रहा है।

# तुर्की के राष्ट्रपति की अमेरिका और फ्रांस को चुनौती, कहा- लगा कर देख ले आर्थिक प्रतिबंध

**अंकारा (तुर्की)। (एजेंसी)।**

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने रविवार को अमेरिका को चुनौती देते हुए कहा कि वह जो आर्थिक प्रतिबंध लगाना चाहता है, लगा कर देख ले। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों पर भी एक बार फिर निशाना साधा। एर्दोओन ने मैक्रों के इस्लाम और कट्टरपंथी मुसलमानों पर व्यक्त किए विचारों को लेकर कहा कि उन्हें मानसिक उपचार की जरूरत है। अमेरिका की चेतावनियों के जवाब में उन्होंने कहा, '' आप जो भी प्रतिबंध लगाना चाहते हैं, देर ना करें।'' अमेरिका ने तुर्की को चेतावनी दी थी कि वह नागोर्नो-काराबाख में सीधे संघर्ष में शामिल नहीं हो। दरअसल अंकारा जातीय आर्मेनियाई बलों के खिलाफ अजरबैजान का समर्थन करता है। तुर्की के नेता ने रूस निर्मित एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के परीक्षण के बाद अमेरिका द्वारा दी गई प्रतिबंध लगाने की धमकी का जिक्र भी किया।

इस खरीद के बाद तुर्की के एफ-35 कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। एर्दोआन ने कहा, ''जब हमने एफ-35 की शुरुआत की तब भी आपने हमें धमकी दी। आपने कहा था, ''एस-400 रूस वापस भेज दो''। लेकिन हम कोई कबायली देश नहीं हैं। हम तुर्की हैं।'' हाल के महीनों में तुर्की की विदेश नीति के मुखर आलोचक रहे मैक्रों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, '' फ्रांस की बागडोर जिनके हाथों में है वह राह भटक गए हैं। वह सोते जागते बस एर्दोआन के बारे में सोचते हैं। आप अपने आपको देखें कि आप कहां जा रहे हैं।'' हाल ही में मैक्रों और एर्दोआन के बीच तनातनी काफी बढ़ गई है।

# ट्रंप अपने और अपने धनी दोस्तों को मदद पहुंचाने के लिए दूसरे कार्यकाल की जुगत में लगे हैं: ओबामा

**वाशिंगटन (एजेंसी)।**

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अमेरिका में कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए योजना नहीं बना पाने और एक साक्षात्कार से उठकर चले जाने को लेकर अपने उत्तराधिकारी डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने और अपने धनी दोस्तों को मदद पहुंचाने के लिए दूसरे कार्यकाल की जुगत में लगे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस के पक्ष में समर्थन जुटाने का प्रयास करते हुए ओबामा ने शनिवार को कार रैली में अमेरिकियों से ट्रंप को दूसरा कार्यकाल नहीं देने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के मन में आम अमेरिकियों के प्रति कोई चिंता नहीं है और वह बस वह अपने और अपने धनी दोस्तों को मदद पहुंचाने के लिए दूसरा कार्यकाल हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ बाइडेन और हैरिस अपने लिए नहीं बल्कि 'आपके और हमारे लिए' लड़ने जा रहे हैं। ओबामा ने फ्लोरिडा के मियामी में एक चुनाव रैली में कहा, '' वे अपने आपको पिट्ठुओं और लॉबिंग करने वालों से घिरने नहीं जा रहे हैं। वे अपने आसपास ऐसे लोगों को रखने जा रहे हैं जो आपकी फिक्र करते हैं। यही चीज उन्हें अपने विरोधियों से अलग करती हैं। वे वाकई अमेरिकियों की चिंता करते हैं, उनकी भी फिक्र करते हैं, जो उन्हें वोट नहीं दे रहे हैं।'' उन्होंने सीबीएस न्यूज संवाददाता लेसली स्टाहल के साथ साक्षात्कार से उठकर चले जाने को लेकर ट्रंप की आलोचना की। उन्होंने कहा, '' वह पगला गये और 60 मिनट के साक्षात्कार से उठकर चले गये। उन्होंने सोचा कि सवाल बड़े कठिन हैं। यदि वह 'आप दूसरे कार्यकाल में क्या करना पसंद करेंगे' जैसे कठिन सवाल का जवाब नहीं दे सकते तो हम उन्हें दूसरा कार्यकाल नहीं दे सकते। ...''

ओबामा ने दावा किया, '' उनसे पूछा गया ' कोविड के अगले चरण के लिए आपकी योजना क्या है?'' इस बात पर गौर करते हुए कि हमने कल ही मामलों में बहुत वृद्धि देखी है, यह बहुत अच्छा सवाल था। ऐसे में आप सोचते हैं कि वह जवाब के लिए तैयार होंगे। उसके बजाय, उन्होंने बस यह कहा कि यह उनकी गलती नहीं है और उनकी कोई योजना नहीं है। उनकी कोई योजना नहीं है और उन्हें असलियत का ज्ञान भी नहीं है। '' ट्रंप ने पलटवार करते हुए ट्वीट किया कि पूर्व राष्ट्रपति को सुनने कोई नहीं पहुंचा, बस 47 लोग थे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# जैकलीन फर्नांडिस

## के इंस्टाग्राम पर हुए 46 मिलियन फॉलोअर्स, अपनी टॉपलेस तस्वीरें शेयर कर फैन्स को कहा- शुक्रिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब इंस्टाग्राम पर उनके 46 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज साझा की हैं जो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैन्स को शुक्रिया कहा है। जैकलीन की इन तस्वीरों को जमकर लाइक और शेयर किया जा रहा हैं।

फोटोज में जैकलीन टॉपलेस नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने हाथों में फूलों का एक गुलदस्ता पकड़ रखा है। उन्होंने फोटोज पोस्ट करते हुए फैन्स के लिए कैप्शन में लिखा, 'लव यू. थैंक्यू।' फोटोज में जैकलीन का बोल्ड लुक देखकर फैन्स क्रेजी हो गए हैं और कॉमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इंस्टाग्राम यूजर्स जैकलीन की तस्वीरों पर हार्ट और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं।

बता दें कि जैकलीन अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत पुलिस में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है, जिन्होंने इससे पहले फोबिया और रागिनी एमएमएस जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया था। इसमें सैफ अली खान, यामी गौतम और अर्जुन कपूर जैसे सितारे भी काम कर रहे हैं।

इसके अलावा जैकलीन फिल्म किक 2 में सलमान के साथ काम करेंगी। हाल ही में जैकलीन के बर्थडे पर इस फिल्म का ऐलान किया गया था। हालांकि, अभी फिल्म के बाकी स्टारकास्ट की घोषणा नहीं हुई है। फिल्म किक साल 2014 में रिलीज हुई थी जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। इसमें रणदीप हुड्डा ने पुलिस ऑफिसर का रोल प्ले किया था।

## Suraj Pe Mangal Bhari के ट्रेलर में कुंवारे दलिजीत दोसांझ पर आया लड़कियों का दलि, भेज रही हैं रश्ते किया रोमांस

दलिजीत दोसांझ मनोज बाजपेयीऔर फातमिा सना शेख की आने वाली फिल्म सूरज पे मंगल भारी का ट्रेलर एक दनि पहले ही रलीज हुआ है और रिलीज के साथ ही ये मजेदार ट्रेलर लोगों को खासा पसंद भी आ रहा है. दलिजीत दोसांझ की कॉमकि टाइमिंग तो हमेशा से ही जबरदस्त रही है, लेकिन इस फिल्म में देसी शरलॉक होम्स बने नजर आ रहे एक्टर मनोज बाजपेयी का अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है. अब इस फिल्म के ट्रेलर को देख कर कई लड़कियां सूरज यानी दलिजीत दोसांझ को अपना रश्ता भेज रही हैं.

फिल्म सूरज पर मंगल भारी में दलिजीत दोसांझ सूरज सहि ढल्लिनके किरदार में हैं जो अपनी शादी के लिए लड़कियां ढूंढ रहा है, लेकिन उनकी शादी तोड़ने पर आमादा हैं मधु मंगल राणे यानी मनोज बाजपेयी. अब दलिजीत भले ही इस फिल्म में शादी के लिए लड़कियां ढूंढ रहे हों, लेकिन उनकी असली फैंस ने उन्हें रश्ते भेजने शुरू भी कर दिए हैं.

नर्दिशक अभिषेक शर्मा की सूरज पर मंगल भारी में अनु कपूर, मनोज पावा, सीमा पावा, वजिय राज और नेहा पेड़से जैसे एक्टर्स नजर आने वाले हैं. 1995 के बैकड्रॉप में बनी इस फिल्म के ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जिन्होंने मीम्स में अपनी जगह बना ली है.

मनोज इस ट्रेलर में मराठी महलिा बने भी नजर आ रहे हैं. अपनी जासूसी पूरी करने के लिए वह काफी कुछ करते हुए नजर आ रहे हैं.

## गायब नहीं हुई, NCB के समन के बाद परिवार से मिलने लंदन आई हूं: एक्ट्रेस सपना पब्बी

**बॉलीवुड एक्ट्रेस सपना पब्बी ने बताया कि एनसीबीके समन के बाद वह अपने परिवार से मिलने लंदन गई हैं और संबंधित अधिकारियों को इस बात की जानकारी है.**

बॉलीवुड एक्ट्रेस सपना पब्बी ने शुक्रवार को उन खबरों को खारिज किया कि नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा तलब किए जाने के बाद उन्होंने देश छोड़ दिया है. एनसीबी एक्टर सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड मामले से जुड़े बॉलीवुड ड्रग्स केस की जांच कर रही है.

मॉडल रह चुकी पब्बी ने टेलीविजन सीरियल '24' और 'खामोशियां' तथा सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म 'ड्राइव' में काम किया है. खबरे हैं कि पब्बी का नाम एक्टर अर्जुन रामपाल की गर्लफ्रेंड गैब्रिएला के भाई एगिसिलाओस से पूछताछ के दौरान सामने आया था. एगिसिलाओस को एनसीबी ने हाल ही में गिरफ्तार किया था.

पब्बी ने इंस्टाग्राम पोस्ट कर जारी किए गए बयान में इन खबरों को खारिज किया है और कहा कि वह अपने परिवार से मिलने लंदन गई हैं और संबंधित अधिकारियों को इस बात की जानकारी है. पब्बी ने कहा, 'मैं मीडिया रिपोर्ट की उन अटकलों से दुखी हूं, जिनमें कहा गया है कि मेरा पता नहीं हैं या मैं गायब हो गई हूं. मैं परिवार के साथ रहने के लिए लंदन आई हूं और मेरे वकीलों ने भारत में अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी है और उन्हें मेरा पता ठिकाना अच्छे से मालूम है.'

HBD Mallika Sherawat: जब

# मल्लिका शेरावत

## ने 17 किसिंग सीन देकर मचा दिया था तहलका

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत लंबे समय से फिल्मों से गायब हैं लेकिन वे किसी न किसी वजह से अपने फैंस को याद आती रहती हैं. मल्लिका शेरावत बॉलीवुड में अपने सबसे बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं. मल्लिका उन एक्ट्रेसेस में से हैं जिन्होंने 28 साल से लेकर 65 साल तक के एक्टर्स के साथ इंटीमेट सीन दिए हैं.

मल्लिका का जन्म 24 अक्तूबर 1976 को हुआ था. हिसार के एक छोटे से गांव में जन्मीं मल्लिका ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय कर लिया है. मल्लिका ने अपने परिवार के खिलाफ जाकर फिल्मों में काम करना शुरू किया. बाद में उनके परिवार ने उन्हें स्वीकार कर लिया. उनका असली नाम रीमा लांबा है. फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना नाम बदलकर मल्लिका रख लिया. इस साल वे 44वां बर्थडे मना रही हैं. मल्लिका पहली ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने जैकी चैन के साथ काम किया है. मल्लिका ने साल 2002 में आई फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. उन्होंने 2003 में आई फिल्म ख्वाहिश से लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड में डेब्यू किया था. इस फिल्म में मल्लिका ने 17 किसिंग सीन देकर तहलका मचा दिया था. मल्लिका ने हिंदी के साथ-साथ इंग्लिश और चाइनीज फिल्मों में भी एक्टिंग की है.मल्लिका फिल्मों में आने से पहले एयरहोस्टेस के रूप में काम करती थीं. फिल्म ख्वाहिश से चर्चा में आई मल्लिका को फिल्म मर्डर से पहचान मिली थी. फिल्म मर्डर में मल्लिका के साथ इमरान हाशमी लीड रोल में थे. मल्लिका ने प्यार के साइड इफेक्ट्स, आपका सुरूर और डबल धमाल जैसी हिट कॉमेडी फिल्मों में भी काम किया है.

शेरावत ने हॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है. उन्होंने हॉलीवुड की हिस्स्स और पॉलिटिक्स ऑफ लव में काम किया है. पढ़ाई खत्म कर मल्लिका एयर होस्टेस के तौर पर काम करने लगीं. यहां उनकी मुलाकात पायलट करण सिंह गिल से हुई. इसके बाद दोनों को एक-प्यार हुआ और फिर शादी हो गई, लेकिन मल्लिका के ख्वाबों के आगे ये शादी चल नहीं पाई. करीब एक साल बाद मल्लिका ने करण से तलाक ले लिया. कुछ अपुष्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक मल्लिका का एक बेटा भी है लेकिन मल्लिका ने कभी अपनी शादी और बच्चे के बारे में कोई जानकारी शेयर नहीं की.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

**सार समाचार**

## योगी सरकार पर बरसीं प्रियंका, कहा- उत्तर प्रदेश की जनता में भय व्याप्त है

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश में अपराध की घटनाओं को लेकर सोमवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि सरकार के लोग कोरी भाषणबाजी करते हैं, लेकिन जनता के बीच भय व्याप्त है। उन्होंने बागपत में एक लोहा व्यापारी के अपहरण की घटना का उल्लेख करते हुए यह आरोप भी लगाया कि इस सरकार में लोग सुरक्षित नहीं हैं। प्रियंका ने ट्वीट किया, ''बागपत में आज सुबह एक लोहा व्यापारी का अपहरण हो गया। उप्र में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। व्यापारी सुरक्षित नहीं हैं। बच्चे सुरक्षित नहीं हैं।'' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने दावा किया, ''सरकार के लोग चुनावी सभाओं में जाकर कोरी भाषणबाजी करते हैं। जनता में भय व्याप्त है।

## छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 32 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को 32 नक्सलियों ने सामूहिक तौर पर आत्मसमर्पण किया है। इनमें चार नक्सली ऐसे भी है जिन पर कुल चार लाख रुपये का ईनाम था। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि 10 महिलाओं समेत अन्य नक्सलियों ने बरसूर पुलिस थाने में यह कहते हुए आत्मसमर्पण किया कि वे जिला पुलिस के पुनर्वास अभियान से प्रभावित हैं और 'खोखले' माओवादी विचाराधारा से निराश हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि, '32 नक्सलियों में से 6 इनामी हैं। लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान में पिछले 3 महीनों में 150 नक्सलियों ने समर्पण किया है, इनमें से 42 इनामी नक्सली हैं। जबकि 50-60 लोग और समर्पण करना चाहते हैं।'

## सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री निशंक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही पर लगाई रोक

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बंगलों के लिए पूर्व मुख्यमंत्रियों द्वारा कथित रूप से किराए का भुगतान ना करने के मामले में केन्द्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल के खिलाफ उच्च न्यायालय की अवमानना की कार्यवाही पर सोमवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति आरएफ नरीमन के नेतृत्व में एक पीठ ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री की ओर से दायर याचिका पर अवमानना की कार्यवाही पर रोक लगा दी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पिछले साल तीन मई को राज्य के मुख्यमंत्रियों को पद छोड़ने के बाद से, वे जितने भी समय सरकारी आवास में रहे, उस अवधि का बाजार दर से किराया देने का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों को आवास और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के संबंध में 2001 से सभी सरकारी आदेशों को अवैध और असंवैधानिक घोषित कर दिया था। अदालत ने राज्य द्वारा पूर्व मुख्यमंत्रियों को प्रदान की जाने वाली बिजली, पानी, पेट्रोल, तेल, जैसी सुविधाओं के लिए देय और भुगतान की जाने वाली पूरी राशि का राज्य सरकार द्वारा आदेश की तारीख से चार महीने के अंदर हिसाब किताब करने का निर्देश दिया था।

## कोयला घोटाला मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे को 3 साल की सजा

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने झारखंड में 1999 में कोयला खदान आवंटन में अनियमितताओं के एक मामले में पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिलीप रे को सोमवार को तीन साल की सजा सुनाई। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में दिलीप रे कोयला मंत्री थे। विशेष न्यायाधीश भरत पराशर ने कोयला मंत्रालय के तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारी प्रदीप कुमार बनर्जी और नित्या नंद गौतम और कैस्ट्रॉन टेक्नोलॉजी लिमिटिड (सीटीएल) के निदेशक महेन्द्र कुमार अग्रवाल को भी तीन-तीन साल की सजा सुनाई। अदालत ने इन सभी पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने दोषी पाए गई सीएलटी पर 60 लाख रुपये और कैस्ट्रॉन माइनिंग लिमिटिड (सीएमएल) पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

## मायावती की बिहार के मतदाताओं से अपील, विरोधियों के हथकंडों से रहे सावधान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाताओं से विरोधियों के हथकंडों और षड्यंत्रों से सावधान रहने तथा बसपा, आरएलएसपी के गठबंधन के लिए वोट करने की अपील की। बसपा अध्यक्ष ने सोमवार को ट्वीट किया, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान की तैयारी आज चुनाव प्रचार की समाप्ति के साथ ही शुरू। अतः सभी से अपील है कि वे विरोधियों के सभी प्रकार के हथकंडों और षड्यंत्रों के मद्देनजर सावधानी बरतते हुए बसपा और आरएलएसपी आदि के गठबंधन को ही अपना वोट देकर सफल बनाएं। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव में बसपा ने राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) समेत कई दलों से गठबंधन करके तीसरा मोर्चा बनाया है। पिछले माह रालोसपा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा समेत कई नेताओं ने इस गठबंधन का ऐलान किया था।

# बीजेपी चीफ नड्डा बोले, कांग्रेस जितनी नफरत करेगी उतना ही और अधिक लोग मोदी का समर्थन करेंगे

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)**

भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना किए जाने को लेकर सोमवार को कांग्रेस पर करारा हमला किया और कहा कि विपक्षी दल और उसके नेता जितना ''झूठ'' बोलेंगे और मोदी से ''नफरत'' करेंगे, उतना ही और अधिक लोग उनका समर्थन करेंगे। नड्डा ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी द्वारा विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी की निंदा किए जाने को लेकर प्रहार किया नड्डा ने कहा, ''निराशा और बेशर्मी का गठजोड़ काफी खतरनाक होता है। कांग्रेस के पास ये दोनों ही है। जहां पार्टी में बेटा घृणा, क्रोध, झूठ और आक्रामकता की राजनीति का जीवंत प्रदर्शन करता है तो वहीं माता दिखावे की शालीनता का प्रदर्शन और लोकतंत्र पर खोखली बयानबाजी कर इसका पूरक बनती है।'' भाजपा अध्यक्ष की ये टिप्पणी सोनिया गांधी द्वारा एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख के मद्देनजर आई है। इस लेख में सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी राज में लोकतंत्र को खोखला किया जा रहा है। इसके जवाब में नड्डा ने विपक्षी नेताओं को आपातकाल की याद दिलाई और कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी पर कांग्रेस कभी भी दूसरों पर दबाव नहीं बना सकती। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का आवाज दबाने का दशकों से इतिहास रहा है। इसे हमने आपातकाल के दौरान भी देखा। इसके बाद राजीव गांधी की कांग्रेस सरकार ने भी प्रेस की आजादी को कमजोर करने का प्रयास किया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि स्वतंत्र मीडिया सदैव ही कांग्रेस को चुभता है।

नड्डा ने महाराष्ट्र में शिव सेना-नीत गठबंधन सरकार को कांग्रेस के ''आशीर्वाद'' से चलने वाली सरकार बताया और कहा, ''क्रूर राज्य शक्ति के इस्तेमाल की प्रयोगशाला को देखना चाहता है, तो वह कांग्रेस के आशीर्वाद से चलने वाली महाराष्ट्र सरकार को देखे जहां विपक्ष को परेशान किया जा रहा है और बोलने की आजादी पर अंकुश लगाया जा रहा है। राज्य चलाना छोड़कर महाराष्ट्र सरकार सब कुछ कर रही है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गरीबी में जन्म लेने के बाद देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाली ''महान शख्सियत'' के प्रति एक ''खानदान और वंश'' की गहरी नफरत जितनी ऐतिहासिक है, उतना ही ऐतिहासिक है भारत के लोगों का नरेन्द्र मोदी के लिए अपार प्यार, समर्थन और आशीर्वाद। उन्होंने कहा, ''जितना ही कांग्रेस झूठ बोलेगी और जितनी ही इनकी नफरत बढ़ेगी, उतना ही और अधिक लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चाहेंगे और उनका समर्थन करेंगे।'' नड्डा ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी पलटवार किया। गांधी ने पंजाब में किसानों द्वारा विजयादशमी के अवसर पर प्रधानमंत्री का पुतला जलाए जाने संबंधी मीडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया था कि यह पंजाब में प्रधानमंत्री के प्रति लोगों का गुस्सा दर्शाता है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब में विजयादशमी के दिन प्रधानमंत्री का पुतला जलाया जाने की घटना कांग्रेस ''प्रायोजित'' थी। उन्होंने कांग्रेस नेता पर ''निकृष्ट और समाज को बांटने वाली राजनीति'' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''पंजाब में जो कुछ भी हो रहा है वह राहुल गांधी के इशारों पर किया जा रहा है। पंजाब में प्रधानमंत्री का पुतला जलाने का शर्मनाक ड्रामा राहुल गांधी द्वारा निर्देशित है लेकिन यह अनपेक्षित नहीं है।'' नड्डा ने नेहरू-गांधी परिवार पर कभी भी प्रधानमंत्री कार्यालय की इज्जत न करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा,''कांग्रेस से यही उम्मीद की जा सकती है। नेहरू-गांधी खानदान ने कभी भी प्रधानमंत्री पद और प्रधानमंत्री के कार्यालय की गरिमा का सम्मान नहीं किया है। 2004-2014 के बीच भी ऐसा ही देखने को मिला था जब कांग्रेस की यूपीए सरकार के शासनकाल में प्रधानमंत्री पद को संस्थागत तरीके से कमजोर किया गया था।

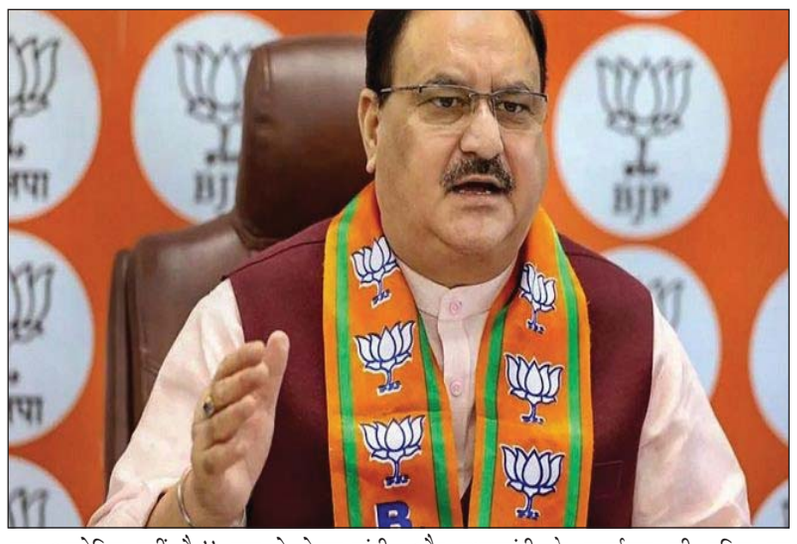

## सुप्रीम कोर्ट ने पराली की निगरानी के लिए समिति बनाने के फैसले पर लगाई रोक

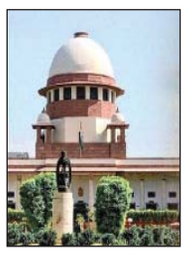

**नयी दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के प्रमुख कारक पड़ासी राज्यों में पराली जलाये जाने की रोकथाम के उपायों की निगरानी के बारे में शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर की अध्यक्षता में समिति नियुक्त करनेका अपना 16 अक्टूबर का आदेश सोमवार को विलंबित रख दिया। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबड़े, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने इस मामले में केन्द्र के इस रूख पर विचार करते हुये यह आदेश दिया कि वह पराली जलाने के पहलू सहित वायु प्रदूषण की समस्या से निबटने के लिये विस्तृत कानून बना रहा है। पीठ ने कहा कि मुद्दा सिर्फ यह है कि लोगों का प्रदूषण की वजह से दम घुट रहा है ओर यह ऐसा है जिस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।'' इससे पहले, सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि केन्द्र ने इस मामले में समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और चार दिन के भीतर प्रदूषण पर अंकुश के लिये प्रस्तावित कानून का मसौदा न्यायालय में पेश कर दिया जायेगा। शीर्ष अदालत ने 16 अक्टूबर को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी के लिये पूर्व न्यायाधीश मदन लोकुर की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति नियुक्त की थी और उसकी मदद के लिये एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट्स और गाइड तैनात करने का आदेश दिया था।। न्यायालय ने कहा था किवह चाहता है कि दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को सांस लेने के लिये प्रदूषण रहित स्वच्छ हवा उपलब्ध हो।

# 2+2 वार्ता : अमेरिकी विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री भारत पहुंचे, दोनों देशों के बीच होंगे कई समझौते

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और रक्षा मंत्री मार्क एस्पर तीसरी '2+2' मंत्री स्तरीय बैठक के लिए सोमवार को भारत पहुंचे। बैठक के हिंद-प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों के साथ-साथ सहयोग बढ़ाने पर केन्द्रित होने की उम्मीद है। अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ अपने भारतीय समकक्षों क्रमशः राजनाथ सिंह तथा एस. जयशंकर के साथ मंगलवार को 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक करेंगे, जिसमें रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों के साथ-साथ प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब भारत का चीन के साथ सीमा पर गतिरोध जारी है और इस मुद्दे पर चर्चा होने की भी उम्मीद है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दो प्रमुख अधिकारी अपने भारतीय समकक्षों जयशंकर और सिंह के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

पोम्पिओ और एस्पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से भी मुलाकात करेंगे। अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में, भारत के साथ सीमा गतिरोध, दक्षिण चीन सागर में अपनी सैन्य मुखरता और बीजिंग द्वारा हांगकांग में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को संभालने के तरीके सहित कई विवादास्पद मुद्दों को लेकर चीन पर हमले तेज किए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच दिल्ली में होने वाली तीसरी2+2 वार्ता में द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

## विजय रूपाणी का दावा, गुजरात उपचुनाव के बाद कांग्रेस के कई और नेता पार्टी छोड़ देंगे

अहमदबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस एक 'डूबता जहाज' है और राज्य में आठ सीटों के लिए तीन नवंबर को उपचुनाव के बाद विपक्षी दल के कई नेता पार्टी छोड़ देंगे। वलसाड़ जिले के कपराडा नगर में भाजपा उम्मीदवार जीतू चौधरी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए रूपाणी ने कहा कि कांग्रेस के आठ विधायकों के इस्तीफे के कारण इन सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। उन्होंने कहा, ''देश भर में कांग्रेस को झटका लग रहा है। यह एक डूबता जहाज है। ताबूत में आखिरी कील ठोकने का समय आ गया है।''

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी के नेतृत्व में जरा भी भरोसा नहीं है। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल उठे हैं। पार्टी (कांग्रेस) के कार्यकर्ता वंशवादी नेतृत्व से आजादी का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी के कार्यकर्ता अब भी नाखुश हैं और इस उपचुनाव के बाद कई नेता पार्टी छोड़ देंगे।'' उन्होंने कहा, ''विधायकों को एहसास हो चुका है कि कांग्रेस में रहते हुए लोगों के कार्य करना कठिन हैं क्योंकि पार्टी केवल एक परिवार को खुश रखने में भरोसा रखती है। जीतूभाई (चौधरी) अपने निर्वाचन क्षेत्र की बेहतरी के लिए भाजपा में शामिल हुए।'' रूपाणी ने कहा कि पूर्व में भी कांग्रेस के कई विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2017 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकरसिंह वाघेला ने 13 अन्य विधायकों के साथ पार्टी छोड़ दी थी।

## दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई, पराली जलाए जाने से प्रदूषण और बढ़ने की आशंका

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता सोमवार सुबह बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। वहीं, पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने से वायु प्रदूषण के और बढ़ने की आशंका है। केंद्र सरकार की एक एजेंसी ने यह जानकारी दी। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था 'सफर' ने कहा कि हवा की दिशा और हवा की गति हरियाणा, पंजाब और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों में पराली जलने से निकले प्रदूषक तत्त्वों के दिल्ली पहुंचने के लिए अनुकूल है। दिल्ली के पीएम 2.5 सकेंद्रण में पराली जलाए जाने का योगदान रविवार को 19 फीसदी था।

शहर में सोमवार को सुबह 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 343 दर्ज किया गया। वहीं, 24 घंटे की औसत एक्यूआई रविवार को 349 थी। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच एक्यूआई को संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर माना जाता है। हवा की गति कम होने और तापमान कम होने से प्रदूषकों का संचय होता है जबकि हवा की गति तेज होने से प्रदूषकों के बिखराव में मदद मिलती है। केंद्र सरकार की वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान प्रणाली ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में खेतों में पराली जलाए जा रहे हैं, जिससे दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता के प्रभावित होने की आशंका है।

## लाल चौक पर तिरंगा फहराने की कोशिश में तीन हिरासत में, लगाए भारत माता की जय के नारे

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले से भाजपा कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले तीन लोगों को सोमवार को तब हिरासत में लिया गया जब वे यहां शहर के ऐतिहासिक घंटाघर पर तिरंगा फहराने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि सोमवार सुबह यहां के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र लालचौक के घंटाघर पर तिरंगा फहराने की कोशिश पर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि तीनों ने खुद के उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले से भाजपा कार्यकर्ता होने का दावा किया और 'भारत माता की जय' और पार्टी के पक्ष में नारे लगाते हुए घंटाघर पर तिरंगा फहराने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने हालांकि फौरन हरकत में आते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। वहां से ले जाते समय उनमें से एक ने कहा कि वे कश्मीर के हर हिस्से में तिरंगा फहराएंगे। उसने कहा, 'यह महबूबा मुफ्ती को बता देना कि मैं कश्मीर के हर हिस्से में तिरंगा फहराउंगा।' गौरतलब है कि पीडीपी प्रमुख ने हाल ही में कहा था कि वह तब तक तिरंगा नहीं उठाएंगी जब तक तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य का दर्जा फिर से बहाल नहीं हो जाता। केंद्र द्वारा पिछले साल अगस्त में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किये जाने से पहले तक राज्य का अलग संविधान और झंडा होता था।

## शिवसेना का भाजपा पर वार, पूछा- अब तक सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं मिला

**मुंबई। (एजेंसी)।**

कांग्रेस द्वारा वीडी सावरकर की आलोचना पर चुप्पी के लिये भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधे जाने के एक दिन बाद शिवसेना ने पलटवार करते हुए सोमवार को पूछा कि भाजपा ने पूर्व हिंदुत्व विचारक को अब तक भारत रत्न क्यों नहीं दिया? कांग्रेस राज्या में महा विकास आघाड़ी सरकार में शिवसेना की सहयोगी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इस गठबंधन में तीसरा सहयोगी दल है। संवाददाताओं से शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न 'महान और हिंदुत्ववादी नेता' सावरकर को दिया जाना चाहिए।

शिवसेना की वार्षिक दशहरा रैली के दौरान रविवार को पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कोविड-19 की स्थिति की वजह से विशाल शिवाजी पार्क की जगह यहां दादर इलाके में सावरकर हॉल में अपना संबोधन दिया था। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने बाद में सत्ताधारी दल पर सत्ता के लिये हिंदुत्व से समझौते का आरोप लगाया। उपाध्ये ने कहा, 'उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस द्वारा सावरकर की आलोचना पर एक शब्द नहीं कहा और अब उन्हें सावरकर प्रेक्षागृह से दशहरा रैली को संबोधित करना पड़ा।' उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने सोमवार को कहा कि शिवसेना 'कभी सावरकर से जुड़े मुद्दों पर चुप नहीं रही और कभी ऐसा करेगी भी नहीं।' भाजपा का नाम लिये बगैर राउत ने कहा कि पार्टी को सावरकर पर शिवसेना के रुख को लेकर इतिहास खंगालना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'वीर सावरकर हमेशा से शिवसेना और हिंदुत्व के प्रेरक रहे हैं। जो लोग हम पर सवाल उठा रहे हैंउन्हे वीर सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं देते?' राउत ने जानना चाहा, 'आपने अपने पिछले छह साल से शासन में कई लोगों को यह पुरस्कार दिया। वीर सावरकर को भारत रत्न देने में आपको क्या परेशानी थी?' महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बाद पिछले साल शिवसेना ने राज्य में लंबे समय से उसकी सहयोगी रही भाजपा का दामन छोड़ दिया था। शिवसेना ने सत्ता में साझेदारी और बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद संभालने के मुद्दे पर एक राय न होने के बाद यह कदम उठाया था।

# सिर्फ सजा देकर सियासत में भाषा की मर्यादा बरकरार नहीं रखी जा सकती : पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

**इंदौर। (एजेंसी)।**

देश के राजनेताओं में लक्ष्मण रेखा लांघने की प्रवृत्ति बढ़ने पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने चिंता जताई है। हालांकि, उनका मानना है कि केवल दंडात्मक कदमों के बूते राजनीति में शब्दों की मर्यादा बरकरार नहीं रखी जा सकती और राजनेताओं को अध्ययन की संस्कृति से जोड़ा जाना समय की मांग है ताकि बुनियादी मुद्दे तथा नीतियां सियासी विमर्श के केंद्र में आ सकें। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह बात ऐसे वक्त कही है जब मध्य प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों पर तीन नवंबर को होने वाले उपचुनावों के प्रचार के दौरान राजनेताओं को उनके विपक्षियों के लिए गद्दार, बिकाऊ, भूखे-नंगे परिवार का, आइटम, रखैल और लुच्चे-लफंगे जैसे निचले स्तर के शब्दों का इस्तेमाल करते देखा गया है।

रावत ने एक साक्षात्कार में कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान अभद्र या भड़काऊ के इस्तेमाल के खिलाफ आदर्श आचार संहिता और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में पर्याप्त प्रावधान हैं, लेकिन देश के एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर मेरा मानना है कि केवल दंडात्मक प्रावधानों के बूते इस तरह की के इस्तेमाल पर स्थायी रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा कि अभद्र या भड़काऊ के इस्तेमाल के मामलों में आम तौर पर संबंधित राजनेता को कुछ दिनों के लिए चुनाव प्रचार से रोक दिया जाता है। लेकिन देखा गया है कि चुनाव प्रचार के भाषाई स्तर में सुधार के उद्देश्य में ऐसे कदम लम्बे समय तक सफल नहीं हो पाते और कुछ वक्त बाद राजनेताओं की जुबान फिर बेकाबू होने लगती है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने जोर देकर कहा कि हमें समझना होगा कि सोशल मीडिया के मौजूदा दौर में राजनेताओं के पास अपना ज्ञान बढ़ाने के अवसर खत्म-से हो गए हैं। उनके पास पढ़ने-लिखने और कुछ नया जानने के लिए जैसे समय ही नहीं है। उन्होंने कहा, हमें के ऊंचे पैमानों पर ठोस राजनीतिक विमर्श को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अवसर पैदा करने होंगे जिनके जरिये राजनेता बुनियादी मुद्दों और नीतियों का अध्ययन कर अपना ज्ञान बढ़ा सकें। यह देशहित में ज्यादा प्रभावी और सार्थक होगा। रावत ने राजनीति में के गिरते स्तर के विषय में मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि कई बार राजनेता समाचारों में बने रहने के लिए भी हल्के शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने पर वे अगले कुछ दिनों तक मीडिया की खबरों में छाये रहेंगे। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने रेखांकित किया, यह भी देखा गया है कि किसी राजनेता द्वारा अभद्र या भड़काऊ के इस्तेमाल को मीडिया तुरंत अपनी हेडलाइन बना देता है, जबकि बुनियादी मुद्दे और नीतियों को समाचारों में कई बार उतनी अहमियत नहीं दी जाती। किसी राजनेता के महज एक विवादास्पद शब्द पर मीडिया में कई-कई दिन तक बहस चलती रहती है।

रावत ने चिंता जताते हुए कहा कि केवल चुनावी मंचों पर ही नहीं, हमने संसद और राज्यों की विधानसभाओं में भी हल्के शब्दों का इस्तेमाल होते देखा है। जन प्रतिनिधियों के इन सदनों में अब वैसी उच्चस्तरीय बहस सुनने को नहीं मिलती, जैसी एक जमाने में हुआ करती थी।

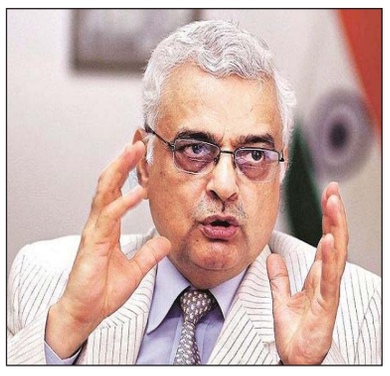

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)